संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-20 अंक- 260
पृष्ठ 8
रविवार
09 जून 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- बढ़ते बच्चों को जरूर दें ये एडवाइस

विचार- शेयर बाजार में हुए खिलवाड़ का सच

खेल- अफगानिस्तान ने हमें तीनों विभाग में पछाड़ा

जनता के बीच जाएं... हमें वीआईपी कल्चर स्वीकार नहीं : योगी

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में 2024 के लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के असंतोषजनक प्रदर्शन के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को यानी आज मंत्रियों के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने मंत्रियों और अधिकारियों के काम काज की समीक्षा की। बता दे किसी से पहले गुरुवार को सीएम योगी ने सभी विभागों के अपर मुख्य लोकसभा चुनाव के बाद सीएम योगी की मंत्रियों के साथ पहली बैठक लखनऊ के लोकभवन की है। इस दौरान उन्होंने मंत्रियों और अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जनसुनवाई में किसी भी प्रकार की कोताही न बरतें। उन्होंने जनसुनवाई के मुद्दे को प्रथामिकाता दे और उसे जल्द से जल्द हल करें। हालांकि इस बैठक में डिप्टी सीएम केशव मौर्य और ब्रजेश पाठक दिल्ली में रुके होने की वजह से नहीं शामिल हुए। सीएम योगी ने सभी विभागों के अपर मुख्य,सीएम योगी ने मंत्रियों को जनता के प्रति जवाबदेही बढ़ाने के निर्देश दिए। बिजली कटौती में सुधार लाने के लिए ऊर्जा मंत्री के निर्देश दिए। इसके साथ ही जिन विभागों में भ्रष्टाचार की शिकायत ज्यादा आ रही हैं उन शिकायतों के निस्तारण के भी निर्देश दिए।जनता के प्रति जवाबदेही बढ़ाने के निर्देश दिए गए–मंत्री जयवीरष्योगी सरकार के मंत्री ने बताया कि मीटिंग में जनता के प्रति जवाबदेही बढ़ाने के निर्देश दिए गए।

बेस्ट परफार्मेंस के लिए क्या काम करने हैं इसपर भी मुख्यमंत्री ने चर्चा की। मंत्री एके शर्मा ने पीएम मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाये जाने की बधाई दी।

रामोजी राव के निधन पर योगी ने जताया शोक

लखनऊ, एजेंसी। रामोजी ग्रुप के संस्थापक और चेयरमैन रामोजी राव के निधन पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शोक व्यक्त किया है और उनके परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की हैं। योगी ने मीडिया और फिल्म उद्योग में श्री राव के योगदान को अभूतपूर्व और अतुलनीय करार दिया है। अपने एक्स हैंडल पर योगी ने लिखा, " रामोजी ग्रुप के संस्थापक और चेयरमैन रामोजी राव जी के निधन से दुखी हूं। मीडिया और फिल्म उद्योग में उनके योगदान और रामोजी समूह के माध्यम से उनकी विरासत ने एक अमिट छाप छोड़ी है। मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं शोक संतप्त परिवार के साथ हैं। प्रभु श्रीराम उन्हें इस बड़े नुकसान को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। ओम शांति।" उल्लेखनीय है कि रामोजी ग्रुप के फाउंडर, मशहूर फिल्म प्रोड्यूसर और रामोजी फिल्म सिटी के मालिक रामोजी राव ने शनिवार की सुबह आखिरी सांस ली। रामोजी राव पिछले काफी समय से बीमार चल रहे थे और पांच जून को उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया था।

कांग्रेस कार्य समिति में राहुल को लोकसभा में विपक्ष का नेता बनाने का प्रस्ताव पारित

नयी दिल्ली,, एजेंसी कांग्रेस की सर्वोच्च नीति निर्धारक संस्था कांग्रेस कार्य समिति ने पार्टी नेता राहुल गांधी को सर्वसम्मति से लोकसभा में विपक्ष का नेता बनाने का प्रस्ताव पारित किया और कहा कि गांधी ही लोकसभा में पार्टी के मुद्दों को प्रभावी तरीके से उठा सकते हैं। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल तथा पार्टी के संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने शनिवार को कार्य समिति की बैठक के बाद यहां पार्टी मुख्यालय में संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा कि कार्य समिति ने गांधी को विपक्ष का नेता बनने का प्रस्ताव पारित किया है और उन्हें उम्मीद है कि गांधी इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लेंगे। वेणुगोपाल ने कहा, "कार्य समिति ने सर्वसम्मति से राहुल गांधी से लोकसभा में विपक्ष के नेता का पद संभालने का अनुरोध किया है। गांधी इसके लिए सबसे उपयुक्त व्यक्ति हैं और वह संसद में पार्टी के मुद्दों को शिद्दत के साथ उठाने और पार्टी का नेतृत्व करने के लिए सबसे उपयुक्त हैं।" गांधी ने कहा है कि वह कार्यसमति के निर्णय पर बहुत जल्द फैसला लेंगे। यह पूछे जाने पर कि गांधी रायबरेली या वायनाड में से अपने पास कौर सी सीट रखेंगे उन्होंने कहा कि इस बारे में तीन–चार दिन में फैसला लिया जाएगा। जनता दल–यू अध्यक्ष तथा बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को इंडिया समूह की तरफ से प्रधानमंत्री बनाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि इस बारे में उन्हें कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि कार्य समिति की बैठक में उत्साह का माहौल था और सभी नेता लोक सभा चुनाव में कांग्रेस के प्रदर्शन से उत्साहित थे। कार्य समिति में मौजूद नेताओं के मूड से लग रहा था कि उन्हें भरोसा हो गया है कि कांग्रेस का पुनरुद्धार का कार्य अब शुरू हो गया है। वेणुगोपाल ने कहा, "कांग्रेस कार्यसमिति की आज की बैठक का माहौल चार महीने पहले हुई बैठक से बिल्कुल अलग था और पार्टी के नेता से लेकर कार्यकर्ता तक सभी ऊर्जा से भरे नजर आ रहे थे।

दिल्ली के नरेला में फैक्टरी में आग लगने से तीन लोगों की मौत, छह घायल

नयी दिल्ली, एजेंसी राष्ट्रीय राजधानी के नरेला में शनिवार तड़के एक खाद्य प्रसंस्करण इकाई में भीषण आग लगने से तीन लोगों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। दिल्ली पुलिस के अनुसार एक पाइपलाइन में गैस रिसाव होने के कारण आग लग गई, जिससे कंप्रेसर ज़्यादा गरम होने के बाद फट गया। पुलिस और अग्निशमन विभाग ने बताया कि आज तड़के तीन बजकर 38 मिनट पर उन्हें फैक्टरी में आग लगने की सूचना मिली। आग पर काबू पाने के लिए तुरंत 16 दमकल मौके पर भेजे गये। दिल्ली अग्निशमन सेवा निदेशक अतुल गर्ग ने 'यूनीवार्ता' को बताया, "अग्निशमन विभाग को सुबह करीब 3:38 बजे नरेला इलाके से आग लगने की सूचना मिली।

मणिपुर में 200 मैतेई लोगों को राहत शिविर में ले जाया गया, एक व्यक्ति की हत्या के बाद हुआ था प्रदर्शन

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर के जिरीबाम जिले में उग्रवादियों द्वारा एक व्यक्ति की हत्या के बाद क्षेत्र से मैतेई समुदाय के 200 से अधिक लोगों को उनके घरों से निकाल कर राहत शिविरों में ले जाया गया है। उग्रवादियों ने जिले के लमताई खुनौ, डिबोंग खुनौ, नुनखाल और बेगरा के बाहरी गांवों में जिरी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के राहत शिविरो में रहने वाले लोगों के घर जला दिए। बता दें कि मृतक की पहचान सोइबम शरतकुमार सिंह के तौर पर की गई है। उनका शव मिलने के बाद स्थानीय लोगों ने कुछ जगहों पर आग लगा दी। इस घटना को देखते हुए गुरुवार रात से ही निषेधाज्ञा लागू कर दी गई। शव मिलने के बाद स्थानीय लोगों ने जिरीबाम पुलिस स्टेशन के बाहर प्रदर्शन करना शुरू किया। लोगों ने चुनाव के दौरान के मद्देनजर उनसे ली गई उनकी लाइसेंसी बंदूकें चुनाव खत्म होने के बाद उन्हें वापस करने की मांग की। गुजरात में सड़क दुर्घटना में दो की मौत, पांच घायल गुजरात के सूरत शहर में एक कार सड़क किनारे बैठे लोगों को कुचल कर निकल गई। इस हादसे में एक बच्चा और उसके चाचा की मौत हो गई और अन्य पांच लोग घायल हुए हैं। यह घटना शुक्रवार की रात 11.30 बजे घटी। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि कार चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया था, जिसके कारण यह हादसा हो गया। इस हादसे में एक आठ वर्षीय बच्चा विहान और उसके चाचा संकेत बावरिया की भी मौत हो गई। कार चालक की पहचान 40 वर्षीय यगनेश गोहिल के तौर पर की गई है, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। अवैध तरीके से भारत में रहने वाली नौ बांग्लादेशी महिलाएं गिरफ्तार महाराष्ट्र के मुंबई में अवैध तरीके से रहने वाली नौ बांग्लादेशी महिलाओं और उन्हें आश्रय देने वाली महिला को गिरफ्तार किया गया है। यह गिरफ्तारी मीरा रोड इलाके में की गई।

केच्चि एयरपोर्ट के पास एक घर में लगी आग, चार की मौत

केरल में कोच्चि इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास अंगदिक्कादावु इलाके में एक घर में आग लग गई। इस हादसे में दो बच्चों समेत एक ही परिवार के चार सदस्यों की जलकर मौत हो गई। अधिकारियों ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आग घर की दूसरी मंजिल पर लगी। अग्निशमन सेवा के एक कर्मी ने कहा कि उन्हें सुबह 5.20 बजे घटना की जानकारी दी गई। फिलहाल आग लगने के कारणों की जांच जारी है।

एनटीए की सफाई, जांच के लिए कमेटी बनाई, पेपर लीक से इनकार

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के महानिदेशक सुबोध सिंह ने कहा कि शिक्षा मंत्रालय ने 'नीट–यूजी' में कृपांक पाने वाले 1,500 से अधिक अभ्यर्थियों के परिणामों की पुनरू जांच करने के लिए समिति गठित की है। नीट–यूजी परीक्षा नतीजों के बाद उठे विवाद पर बड़ा कदम उठाया है। उन्होंने कहा कि 'नीट–यूजी' कृपांक मुद्दे की समीक्षा कर रही समिति एक सप्ताह के भीतर रिपोर्ट सौंपेगी। सिंह ने कहा कि 'नीट–यूजी' कृपांक मुद्दे की समीक्षा कर रही समिति एक सप्ताह के भीतर रिपोर्ट सौंपेगी। सुबोध सिंह ने कहा कि हमारी समिति की बैठक हुई और उन्होंने केंद्रों और सीसीटीवी के सभी विवरणों पर गौर किया। उन्हें पता चला कि कुछ केंद्रों पर समय बर्बाद हुआ और छात्रों को इसकी भरपाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि समिति ने सोचा कि वे शिकायतों का समाधान कर सकते हैं और छात्रों को मुआवजा दे सकते हैं। तो कुछ छात्रों के अंक बढ़ा दिए गए। इसके कारण कुछ छात्रों की चिंताएं सामने आई हैं क्योंकि कुछ उम्मीदवारों को 718 और 719 अंक मिले और 6 उम्मीदवार टॉपर बन गए। हमने सभी चीजों का सावधानीपूर्वक विश्लेषण किया और परिणाम जारी किए। महानिदेशक ने कहा कि 4750 केंद्रों में से यह समस्या 6 केंद्रों तक ही सीमित थी।

पांडियन मेरे उत्तराधिकारी नहीं, नवीन पटनायक बोले- ओडिशा के लोग इस पर करेंगे फैसला

ओडिशा, एजेंसी। विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के कुछ दिनों बाद, राज्य के निवर्तमान मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने शनिवार को कहा कि बीजू जनता दल (बीजेडी) नेता वीके पांडियन उनके ष्उत्तराधिकारीष नहीं हैं और बताया कि राज्य के लोग इस पर फैसला करेंगे। 2000 बैच के आईएएस अधिकारी पांडियन ने दो दशकों से अधिक समय तक पटनायक के निजी सचिव के रूप में कार्य किया है।

मनोज जारंगे फिर आमरण अनशन पर बैठे

बोले– इस बार मराठा आरक्षण नहीं मिला तो महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव लड़ूंगा

मुंबई, एजेंसी। मराठा आरक्षण की मांग का मुद्दा एक बार फिर उठ गया है। मराठा आरक्षण आंदोलन के नेता मघ्छ्नोज जरांगे फिर से आमरण अनशन पर बैठ गए हैं। उनका कहना है कि अगर इस बार मराठा आरक्षण नहीं मिला तो वे महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने कहा, ष्अगर हमारी मांगे पूरी नहीं हुई तो हम आने वाले विधानसभा चुनाव में सभी 288 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेंगे। इसमें सभी जाति और धर्म के उम्मीदवार शामिल होंगे। तो इसकी जिम्मेदारी सरकार की होगी। उसके बाद, सरकार के पास बात करने के लिए कोई जगह नहीं होगी। मनोज जरांगे पाटिल जालना के अंतरवाली सैराट गांव में आमरण अनशन पर बैठे हैं। हालांकि, पुलिस ने उन्हें अनशन की इजाजत नहीं दी है। लोकसभा चुनाव से पहले भी दो बार (20–27 जनवरी और 10–26 फरवरी) मनोज जारंगे ने भूख हड़ताल की थी। तब महाराष्ट्र सरकार ने कुछ शर्तें मानकर अनशन खत्म करवा दिया था।

सरकार और जरांगे के बीच इन शर्तों पर बात बनीं थी

अब तक 54 लाख लोगों के कुनबी होने का प्रमाण मिला है। उन सभी लोगों को कुनबी का कास्ट सर्टिफिकेट दिया जाएगा। जरांगे ने सरकार से 4 दिनों के भीतर सर्टिफिकेट देने की मांग की थी। सरकार ने कहा है कि वंशावली मिलान के लिए एक कमेटी बनाई गई है। इसके बाद सर्टिफिकेट बांटे जाएंगे।

मराठा प्रदर्शनकारियों को उन 37 लाख लोगों की जानकारी दी जाएगी, जिन्हें प्रमाणपत्र दिये जा चुके हैं। राज्य सरकार ने कहा है कि जरांगे को कुछ दिनों में यह डेटा दिया जाएगा।

शिंदे कमेटी का कार्यकाल दो महीने बढ़ाया गया है। प्रदर्शनकारी इसे एक साल बढ़ाने की मांग कर रहे थे।

मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में सात पड़ोसी देशों को निमंत्रण

नयी दिल्ली, एजेंसी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार के तीसरे कार्यकाल के लिए शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के पड़ोस के सात देशों के नेताओं को निमंत्रित किया गया है। विदेश मंत्रालय के अनुसार भारत की पड़ोसी प्रथम नीति और सागर विजन की दृष्टि से नेपाल, भूटान, बंगलादेश, श्रीलंका, मालदीव, सेशेल्स और मॉरीशस के नेताओं को रविवार शाम सात बजे राष्ट्रपति भवन में श्री मोदी के तीसरे कार्यकाल के लिए शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के निमंत्रण पत्र भेजा गया है। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड, भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोब्गे, बंगलादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना, श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे, मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू, सेशेल्स के उप राष्ट्रपति अहमद अफीफ और मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविन्द जगन्नाथ ने निमंत्रण स्वीकार कर लिया है। विदेश मंत्रालय के अनुसार मेहमान नेताओं का आगमन शनिवार से शुरू हो जाएगा। रविवार शाम को शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के बाद ये सभी नेता राष्ट्रपति भवन में आयोजित भोज में शिरकत करेंगे। सोमवार को श्री मोदी की उनके साथ द्विपक्षीय बैठक भी होने की संभावना है।

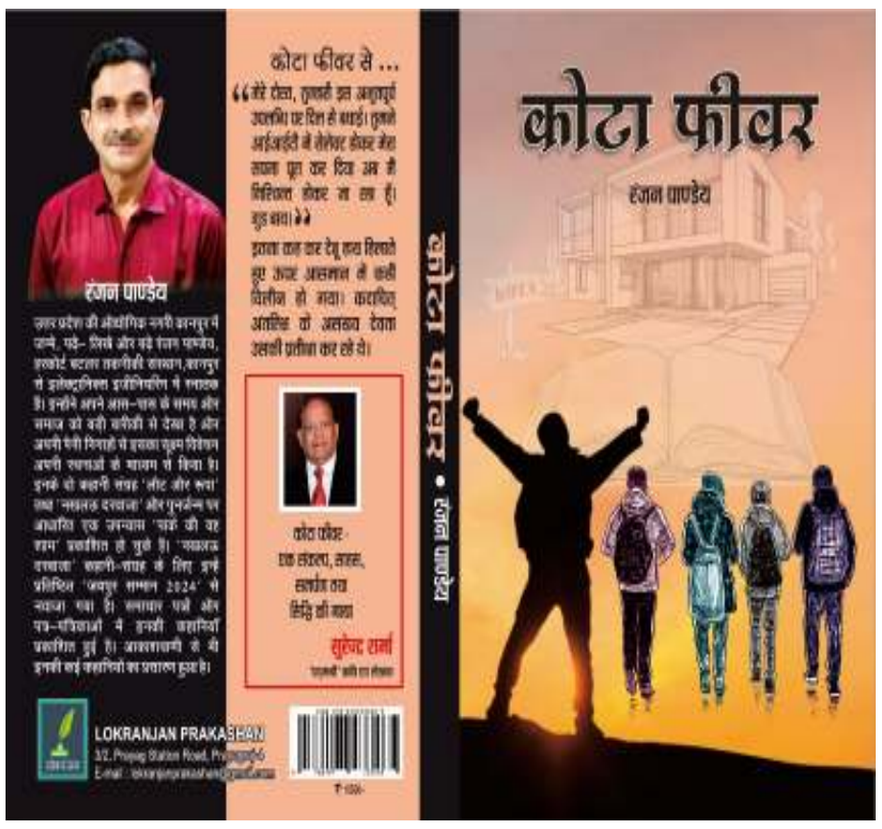

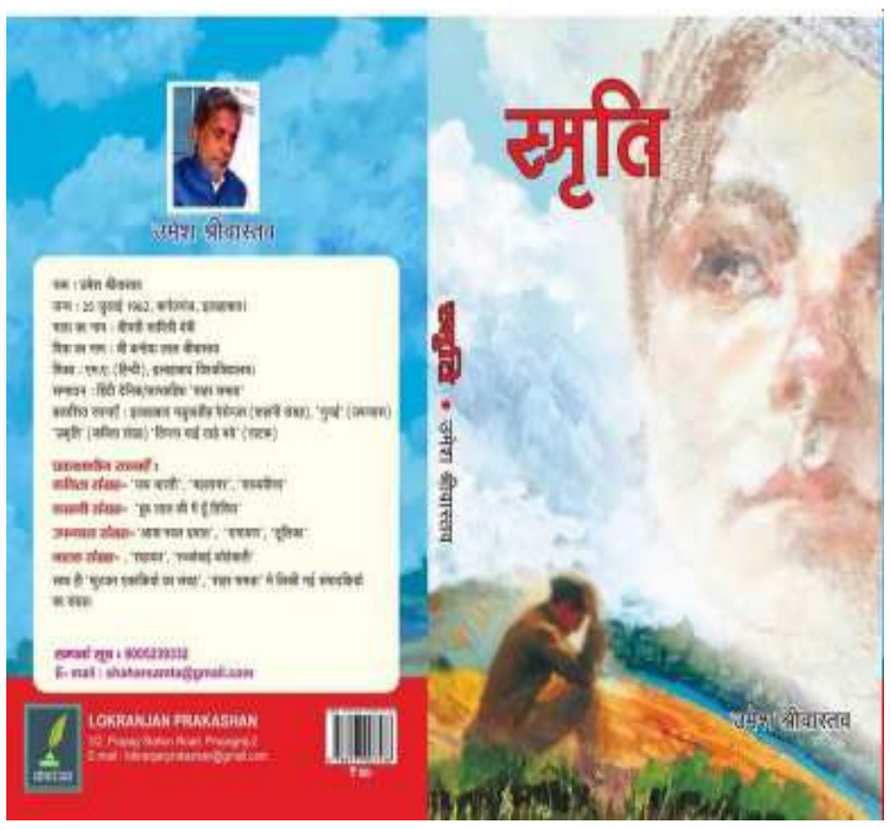

अपने ही गढ़ में बेअसर रहे केशव प्रसाद मौर्य

इलाहाबाद, कौशांबी और प्रतापगढ़ में नहीं खिला सके कमल, ओबीसी वोट साधने में नाकाम

प्रयागराज। पिछड़ी जातियों को साधने के लिए उनके इर्द–गिर्द घूमती भाजपा को इस बार इसी जाति ने सबसे ज्यादा निराश किया। भाजपा के स्टार प्रचारक रहे यूपी के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को 2022 के विधानसभा चुनाव में सिराथू से हार के बाद भी उप मुख्यमंत्री की कुर्सी मिली। मकसद था कि उत्तर प्रदेश की पिछड़ी जातियों को साधा जा सके। उत्तर प्रदेश तो दूर प्रयागराज मंडल की 5 सीटों में से 4 सीट पर भाजपा को हार का सामना करना पड़ा। इलाहाबाद, प्रतापगढ़, कौशांबी और फतेहपुर में वह कमल खिलाने में असफल रहे। उत्तर प्रदेश की कई लोकसभा और विधानसभा क्षेत्रों में केशव ने सभाएं की, लेकिन उनका असर बेअसर रहा। पश्चिमी उत्तर प्रदेश से लेकर पूर्वांचल तक की सीटों पर अखिलेश यादव, केशव प्रसाद मौर्या पर भारी दिखे। पिछड़ी जातियों में पटेल, मौर्या, पाल, निषाद जैसी जातियों

का नेतृत्व करते केशव इस लोकसभा चुनाव में इन जातियों को भाजपा के पक्ष में मतदान नहीं करवा सके। राजनीतिक जानकारों की मानें तो केशव का रूतबा अब घट भी सकता है।

केशव के घर में ही तीसरी बार भाजपा को झटका

केशव मौर्य को भारतीय जनता पार्टी ने लोकसभा संचालन समिति, संकल्प पत्र (घोषणा पत्र) समिति में रखा। लेकिन, वह उत्तर प्रदेश की इस लोकसभा राजनीतिक परिदृश्य में शून्य की स्थिति में रहे। केशव के घर में यह तीसरी बार भाजपा को बड़ा झटका लगा है। 2022 विधानसभा चुनाव में न सिर्फ सिराथू अपनी सीट हारे, बल्कि कौशांबी की सभी विधानसभा सीट पर भाजपा का खाता नहीं खुला। कौशांबी लोकसभा–2024 चुनाव में भी भाजपा वहां की सारी विधानसभाएं हार गई, जिसका परिणाम यह हुआ कि विनोद सोनकर 103944 मतों से पराजित हुए। इसके पहले वर्ष 2018 में फूलपुर में हुए उप चुनाव में भाजपा को हार मिली थी।

अपनी–अपनी बिरादरी के वोट बैंक नहीं रोक सके

केशव की कर्मभूमि प्रयागराज जनपद की बात करें तो केशव मौर्या को एक सीट जिस पर विजय मिली वो फूलपुर लोकसभा की। जिसमें पांच विधानसभा सोरांव,फाफामऊ, फूलपुर, शहर उत्तरी और शहर पश्चिमी जिसमें चार विधायक ठश्रच के हैं और उसमें भी दो फूलपुर और फाफामऊ में पिछड़ी जाति के विधायक हैं। दोनों ही पिछडी जाति (अपनी–अपनी बिरादरी) का वोट रोक पाने में असफल रहे हैं। सोरांव जो सुरक्षित विधानसभा है वहां भले ही सपा की विधायक हैं लेकिन भाजपा ने वहां के दो लोगों (निर्मला पासवान और सुरेंद्र चौधरी) को विधान परिषद भेजने का कार्य किया लेकिन इस चुनाव में सोरांव में भी भाजपा को पराजय का सामना करना पड़ा है। केशव मौर्य ने भी जो मीटिंग की वो फाफामऊ विधानसभा में नहीं की जबकि उसी विधानसभा के जाति विशेष के मतदाताओं को साधने की आवश्यकता थी जिसका परिणाम भी सामने आया।

अमरनाथ मौर्य के खाते में चले गए मौर्या वोटर

वहीं, फाफामऊ से भाजपा विधायक गुरु प्रसाद मौर्या जो अपना चुनाव लगभग 15000 मतों से जीते थे लोकसभा चुनाव में 8833 मतों से अपनी विधानसभा में हारते हुए दिखे। यही स्थिति फूलपुर में भी देखने को मिली, जहां स्वयं प्रवीण पटेल 2019 के चुनाव में लगभग 3000 मतों से विजयी हुए थे। उन्हें इस चुनाव में अपनी ही विधानसभा से 17,860 मतों से पिछड़ना पड़ा। फूलपुर में मौर्या बिरादरी के वोट बैंक सपा प्रत्याशी अमरनाथ मौर्य के खाते में गए। यहां मौर्या बिरादरी ने न तो केशव प्रसाद मौर्य को देखा न तो विधायक गुरुप्रसाद मौर्य को। इस परिवर्तन का बड़ा कारण यही है कि पिछड़ी जातियों को यह नेता नहीं साध पाए। इस बार के यदि लोकसभा के चुनाव का आंकलन करें तो यह साफ प्रतीत होता है कि चुनाव मात्र सोशल मीडिया पर लड़ा गया है जमीनी स्तर पर कोई भी काम नहीं किया गया। क्योंकि कार्यकर्ता आधारित विश्व की सबसे बड़ी पार्टी जिसकी संरचना पन्ना प्रमुख से लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष तक है अगर वाकई जमीन पर कार्य किया होता तो परिणाम इतने निराशाजनक न होते। अब ऐसे में सवाल यह उठता है कि जिन नेताओं को पिछड़ी जातियों का नेतृत्व करने कि जिम्मेदारी दी गयी वो कितने सफल रहे और कितने असफल।

प्रयागराज के 36 सेंटरों पर कल होगी बीएड प्रवेश परीक्षा

16,300 परीक्षार्थी होंगे शामिल, रज्जू भय्या विश्वविद्यालय बना नोडल केंद्र

प्रयागराज। 9 जून को बीएड की प्रवेश परीक्षा आयोजित होगी। इसके लिए प्रयागराज में 36 सेंटर बनाए गए हैं। इस बार बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी की ओर से उत्तर प्रदेश बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा आयोजित कराई जाएगी। प्रयागराज और प्रतापगढ़ जनपद में होने वाली इस परीक्षा के लिए प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भय्या) राज्य विश्वविद्यालय को नोडल सेंटर बनाया गया है। यहीं से परीक्षा केंद्रों की मॉनिटरिंग की जाएगी। यहां पर राजकीय इंटर और एडेड तथा राजकीय डिग्री कॉलेज तथा एडेड महाविद्यालयों को केंद्र बनाया गया है। यहां पर कुल 16300 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल होंगे।

हर केंद्र पर तैनतात रहेंगे 2–2 आब्जर्वर : प्रवेश परीक्षा के नोडल अधिकारी प्रोफेसर विवेक कुमार सिंह ने बताया कि दोनों जनपदों में कुल 43 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। सुरक्षा के इंतजाम किए गए हैं। प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर 2–2 आब्जर्वर तैनात रहेंगे। इसी तरह हर केंद्र पर एक मजिस्ट्रेट भी मौजूद रहेंगे। स्थानीय प्रशासन की ओर से भी सुरक्षा के इंतजाम किए गए हैं।

प्रयागराज में सूची तैयार, पैदल होंगे कई थानेदार

12 थाना प्रभारी, 60 दरोगा, 100 सिपाहियों को इधर से उधर किया जाएगा

प्रयागराज। प्रयागराज पुलिस कमिश्नरेट में थाना प्रभारियों, दरोगाओं और सिपाहियों को बड़े पैमाने पर इधर से उधर किया जाएगा। आचार संहिता की वजह से काफी दिनों तक मामला लटका रहा। इस दौरान तमाम थानेदारों की मनमानी की शिकायतें, दरोगाओं की लापरवाही और सिपाहियों को लेकर शिकायतें आती रहीं। पुलिस कमिश्नर के आदेश पर डीसीपी और एसीपी ने रिपोर्ट तैयार कर ली है। इसी रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की तैयारी है। एक तरह से सूची तैयार हो गई है। जल्द ही कई अहम थानों के प्रभारी पैदल हो जाएंगे यानि उन्हें लाइन हाजिर कर पुलिस लाइन भेजा जाएगा। कई नए इंस्पेक्टरों को चार्ज दिया जाएगा। शहर के सिपाहियों को गांव और देहात के थानों में तैनात सिपाहियों को शहर में लाने की तैयारी है। सिपाहियों को इधर से उधर किए जाने का आंकड़ा 100 से ऊपर है। वहीं 12 के करीब थाना प्रभारी बदले जाएंगे। चौकी प्रभारियों की संख्या 60 के करीब है जिन्हें बदला जाएग। थानों में तैनात दरोगा भी कार्रवाई की जद में हैं। इसके अलावा कई एसीपी के कार्यक्षेत्र में भी बदलाव होगा।

प्रयागराज में 44 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है पारा

सुबह नौ बजे तक 31 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचा तापमान, लू चलने से बढ़ रही परेशानी

प्रयागराज। प्रयागराज में शनिवार दिन की शुरुआत 31 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ हुई। धूप तो सुबह ही निकली और इसके साथ ही गर्मी का असर भी दिखने लगा था। उमस से कुछ राहत मिली है। आज दिन भर धूप बने रहने की संभावना है। दोपहर तीन बजे के बाद तापमान में और वृद्धि होगी। सुबह की अपेक्षा तापमान में 13 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होते हुए तीन बजे तक यह 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाएगा। नौतपा 2 जून को तो खत्म हो गया, इसके बाद तापमान में गिरावट आई है और उसकी अपेक्षा गर्मी में कुछ राहत तो मिली है लेकिन अभी भी गर्मी बनी हुई है।

बिजल कटौती से बेहाल हैं शहरवासी, : एक तरफ गर्मी की मुसीबत तो दूसरी तरफ बिजली कटौती से परेशान हैं लोग। बिजली की समस्या के चलते जलापूर्ति बाधित हो रही है। देर रात खुसरोबाग उपकेंद्र से बिजली आपूर्ति ठप हो गई। इससे जलापूर्ति बाधित हो गई है। खुसरोबाग पावर हाउस से ही सिविल लाइंस समेत पुराने शहर के कई इलाकों में जलापूर्ति होती है। जलापूर्ति न होने से लोग पानी के बेहाल दिखे। नवाब यूसुफ रोड, पुराना शहर, कटरा, कर्नलगंज, म्योहाल, नया पुरवा, म्योराबाद के कुछ इलाकों के लोगों को ज्यादा परेशानी हुई।

लंबी लाइन नहीं, मोबाइल पर ट्रेन टिकट का रिकॉर्ड

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज, आगरा और झांसी मंडलों में मोबाइल पर ट्रेनों के टिकट करने का रिकॉर्ड ही बन रहा है। मोबाइल टिकटिंग के लिए रेलवे के यूटीएस एप का इस्तेमाल कर यात्री टिकट खिड़कियों के सामने लंबी लाइनों से बच जा रहे हैं। हर कोई मोबाइल का इस्तेमाल कर ऑनलाइन टिकटों की बुकिंग करा रहा है। तीन महीने यानि 90 दिनों में यूटीएस एप के जरिए 21.36 लाख टिकट खरीदे गए। मोबाइल से टिकटों को खरीदने का सिलसिला लगातार बढ़ रहा है। इन तीन महीनों में रेलवे ने यूटीएस के जरिए 4.72 करोड़ रुपये की कमाई की है। एप के अलावा सभी रेलवे स्टेशनों पर रेलवे की ओर से क्यूआर कोड चस्पा हैं ताकि यात्री एक सकेंड में स्कैनिंग कर टिकट अपने मोबाइल पर ले लें। अभी तक रिजर्वेशन वाले टिकट ज्यादा ऑनलाइन और मोबाइल पर होते रहे अब जनरल टिकटों की खरीदारी का मोबाइल पर क्रेज बढ़ा है।

हर छोटे–बड़े स्टेशनों पर लंबी कतारें हुईं कम : प्रयागराज जंक्शन, कानपुर सेंट्रल, आगरा, अलीगढ़, ग्वालियर, झांसी जैसे बड़े स्टेशनों से सफर करने के अलावा अब छोटे स्टेशनों के यात्री मोबाइल पर ट्रेनों के टिकट खरीदने में दिनों दिन बढ़ रहे हैं। उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) के सभी रेलवे स्टेशनों पर रेलवे का यूटीएस एप यात्रियों के बीच लोकप्रिय हो गया है।

मौलाना की निर्मम हत्या के बाद फूटा गुस्सा, डीएम–एसपी से बोले मुस्लिम– कहां है बाबा का बुलडोजर

प्रतापगढ़। जेठवारा थाना क्षेत्र के सोनपुर गांव में मौलाना फारूक अहमद की हत्या के बाद ग्रामीणों का गुस्सा फूट गया। मामले दो समयुदायों का होने के कारण स्थिति और भयावह हो

गई। मौके पर प्रतापगढ़ के सभी थानों की पुलिस के साथ ही प्रयागराज, फतेहपुर और कौशाम्बी सहित आसपास के कई जनपदों की फोर्स मौके पर बुला ली गई। ग्रामीणों ने आरोपियों के घर पर धावा बोल दिया, जिन्हें काबू में करने के लिए पुलिस को लाठियां भांजनी पड़ी। शव को सड़क पर रखकर धरने पर बैठे ग्रामीणों को समझाने में डीएम और एसपी को पसीने छूट गए। मौके पर ग्रामीणों को समझाने पहुंचे डीएम और एसपी से आक्रोशित परिजनों ने कहा कि योगी बाबा का बुलडोजर अब कहां है। जब तक आरोपियों के घर को बुलडोजर से नहीं ढहाया जाता तब तब वह शव को पुलिस को छूने नहीं देंगे। इसको लेकर काफी देर तक तनाव की स्थिति बनी रही। परिजन और ग्रामीण आरोपियों के घर को ढहाने की मांग पर अड़े रहे।

एसपी के आश्वासन पर माने परिजन : 50 लाख रुपए मुआवजा, एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी, शस्त्र लाइसेंस और तत्काल आरोपियों की गिरफ्तारी पर की मांग पूरी करने के आश्वासन पर परिजन शव को पोस्टमार्टम कराने पर राजी हुए। एसपी ने कहा कि अगर बवाल किया तो ठीक नहीं होगा। शासन स्तर से भी सहायता दिलाने का प्रयास किया जाएगा। घटना को लेकर परिजनों ने एसपी को तहरीर दी।

एनसीआर में चल रहीं 86 पैसेंजर ट्रेनों के नंबर के आगे से हटेगा जीरो, मिलेगी पुरानी पहचान

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे जोन में स्पेशल ट्रेन के रूप में संचालित हो रहीं पैसेंजर ट्रेनों को उनकी पुरानी वास्तविक पहचान मिलेगी। एक जुलाई से रेलवे की नई समय सारिणी में एनसीआर जोन में चल रहीं प्रयागराज संगम–कानपुर अनवरगंज स्पेशल समेत 86

ट्रेनें एक बार फिर से वापस पैसेंजर ट्रेन के रूप में संचालित होंगी। इनके नंबर के आगे लगा जीरो भी हट जाएगा। जीरो हटने के बाद ये 86 ट्रेनें स्पेशल नहीं रह जाएंगी। एक जुलाई 24 से यह नियमित ट्रेनों की सूची में शामिल हो जाएंगी। कोविड के दौर में रेलवे ने सभी पैसेंजर ट्रेनों को स्पेशल में तब्दील कर दिया था। बहुत सी पैसेंजर ट्रेनें एक्सप्रेस में अपग्रेड कर दी गई थीं। इस वजह से इनका न्यूनतम किराया 10 से बढ़कर 30 रुपये कर दिया था। इस साल फरवरी में रेलवे ने इन ट्रेनों का स्टेट्स एक्सप्रेस से हटाकर फिर पैसेंजर कर दिया था। इन ट्रेनों में किराया तो पैसेंजर का ही लिया जाने लगा, लेकिन नंबर के आगे से जीरो नहीं हटाया था। अब एक जुलाई से यह जीरो भी हट जाएगा। उत्तर मध्य रेलवे की जनसंपर्क अधिकारी रागिनी सिंह ने बताया कि एनसीआर जोन में चल रहीं 86 ट्रेनों के नंबर के आगे से जीरो हटाया जा रहा है। एक जुलाई से यह सभी ट्रेनें नए नंबर से संचालित होंगी।

इन प्रमुख ट्रेनों के नंबर से हटाया गया है जीरो नंबर

मौजूदा नंबर – नया नंबर – कहां से कहां तक

04101 –54101 – प्रयागराज संगम– कानपुर अनवरगंज
04102 –54102– कानपुर अनवरगंज– प्रयागराज संगम
01823 – 51813 – वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी– लखनऊ
01824 – 51814 – लखनऊ– वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी
04117 – 51817 – खजुराहो–ललितपुर
04118 – 51818 – ललितपुर–खजुराहो
01821 – 51821 –महोबा – खजुराहो
01822 – 51822 – खजुराहो – महोबा
01861 – 51861– ऐट– कोंच
01862 – 51862 – कोंच –ऐट
01883 – 51883 – बीना–ग्वालियर
01884 – 51884 – ग्वालियर–बीना

रेलगाड़ियों का निरस्तीकरण, मार्ग परिवर्तन एवं आंशिक निरस्तीकरण/ओरिजिनेशन

रेल प्रशासन द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आधारभूत संरचना के सुदृढ़ीकरण के उद्देश्य से प्रयागराज स्टेशन पर प्रमुख उन्नयन कार्य के दृष्टिगत प्लेटफॉर्म संख्या 04 एवं 05 (लाइन संख्या 05 एवं 07) को बन्द करने का निर्णय लिया गया है, परिणामस्वरूप निम्नलिखित रेलगाड़ियों का निरस्तीकरण, मार्ग परिवर्तन एवं आंशिक निरस्तीकरण/ओरिजिनेशन निम्न विवरण के अनुसार किया जायेगाः-

रेलगाड़ियों का निरस्तीकरण

गाड़ी सं.	स्टेशन से - स्टेशन तक	प्रारंभिक स्टेशन से प्रभावी तिथि
13309	चोपन-प्रयागराज एक्सप्रेस	12.06.2024 से 26.07.2024 तक
13310	प्रयागराज-चोपन एक्सप्रेस	12.06.2024 से 26.07.2024 तक
03635	गया-आनन्द विहार (ट.)	11.06.2024 से 25.07.2024 तक
03636	आनन्द विहार (ट.)-गया	12.06.2024 से 26.07.2024 तक
03227	आरा-आनन्द विहार (ट.)	12.06.2024 से 26.07.2024 तक
03228	आनन्द विहार (ट.)-आरा	13.06.2024 से 27.07.2024 तक
02351	पटना-आनन्द विहार (ट.)	11.06.2024 से 25.07.2024 तक
02352	आनन्द विहार (ट.)-पटना	12.06.2024 से 26.07.2024 तक

रेलगाड़ियों का मार्ग परिवर्तन

गाड़ी सं.	स्टेशन से स्टेशन तक	निर्धारित मार्ग	परिवर्तित मार्ग	अस्थाई ठहराव एवं समय	प्रारंभिक स्टेशन से प्रभावी तिथि
15559	दरभंगा-अहमदाबाद	वाराणसी-प्रयागराज रामबाग-प्रयागराज-मानिकपुर	वाराणसी-ब्लॉक हट के-प्रयागराज छिवकी-मानिकपुर	प्रयागराज छिवकी 07:18-07:20	12.06.24 से 24.07.24
15560	अहमदाबाद-दरभंगा	मानिकपुर-प्रयागराज-प्रयागराज रामबाग-वाराणसी	मानिकपुर-प्रयागराज छिवकी-ब्लॉक हट के-वाराणसी	प्रयागराज छिवकी 20:00-20:02	14.06.24 से 19.07.24
15018	गोरखपुर-लोकमान्य तिलक(ट.)	वाराणसी-प्रयाग-प्रयागराज-मानिकपुर	जौनपुर-वाराणसी-ब्लॉक हट के-प्रयागराज छिवकी-मानिकपुर	प्रयागराज छिवकी 16:18-16:20	12.06.24 से 26.07.24
15017	लोकमान्य तिलक(ट.)-गोरखपुर	मानिकपुर-प्रयागराज-प्रयाग-वाराणसी	मानिकपुर-प्रयागराज छिवकी-ब्लॉक हट के-वाराणसी-जौनपुर	प्रयागराज छिवकी 07:20-07:22	11.06.24 से 25.07.24
15267	रक्सौल-लोकमान्य तिलक(ट.)	वाराणसी-प्रयागराज रामबाग-प्रयागराज-मानिकपुर	वाराणसी-ब्लॉक हट के-प्रयागराज छिवकी-मानिकपुर	प्रयागराज छिवकी 07:18-07:20	15.06.24 से 20.07.24
15268	लोकमान्य तिलक(ट.)-रक्सौल	मानिकपुर-प्रयागराज-प्रयागराज रामबाग-वाराणसी	मानिकपुर-प्रयागराज छिवकी-ब्लॉक हट के-वाराणसी	प्रयागराज छिवकी 16:00-16:02	17.06.24 से 22.07.24
11037	पूणे-गोरखपुर	मानिकपुर-प्रयागराज-प्रयागराज रामबाग-वाराणसी	मानिकपुर-प्रयागराज छिवकी-ब्लॉक हट के-वाराणसी	प्रयागराज छिवकी 15:50-15:52	13.06.24 से 25.07.24
11038	गोरखपुर-पुणे	वाराणसी-प्रयागराज रामबाग-प्रयागराज-मानिकपुर	वाराणसी-ब्लॉक हट के-प्रयागराज छिवकी-मानिकपुर	प्रयागराज छिवकी 01:00-01:02	15.06.24 से 20.07.24
11033	पूणे-दरभंगा	मानिकपुर-प्रयागराज-प्रयागराज रामबाग-वाराणसी	मानिकपुर-प्रयागराज छिवकी-ब्लॉक हट के-वाराणसी	प्रयागराज छिवकी 15:50-15:52	12.06.24 से 24.07.24
11034	दरभंगा-पुणे	वाराणसी-प्रयागराज रामबाग-प्रयागराज-मानिकपुर	वाराणसी-ब्लॉक हट के-प्रयागराज छिवकी-मानिकपुर	प्रयागराज छिवकी 07:18-07:20	14.06.24 से 19.07.24
18609	राँची-लोकमान्य तिलक(ट.)	पं. दीन दयाल उपाध्याय-वाराणसी-प्रयागराज रामबाग-प्रयागराज-मानिकपुर	पं. दीन दयाल उपाध्याय-मिर्जापुर-प्रयागराज छिवकी-मानिकपुर	प्रयागराज छिवकी 10:28-10:30	12.06.24 से 24.07.24
18610	लोकमान्य तिलक(ट.)-राँची	मानिकपुर-प्रयागराज-प्रयागराज रामबाग-वाराणसी-पं. दीन दयाल उपाध्याय	मानिकपुर-प्रयागराज छिवकी-मिर्जापुर-पं. दीन दयाल उपाध्याय	प्रयागराज छिवकी 16:00-16:02	14.06.24 से 19.07.24
22131	पूणे-बनारस	मानिकपुर-प्रयागराज-प्रयागराज रामबाग-बनारस	मानिकपुर-प्रयागराज छिवकी-ब्लॉक हट के-बनारस	प्रयागराज छिवकी 16:10-16:12	17.06.24 से 22.07.24
22132	बनारस-पुणे	बनारस-प्रयागराज रामबाग-प्रयागराज-मानिकपुर	बनारस-ब्लॉक हट के-प्रयागराज छिवकी-मानिकपुर	प्रयागराज छिवकी 07:18-07:20	12.06.24 से 24.07.24
19421	अहमदाबाद-पटना	मानिकपुर-प्रयागराज-प्रयागराज रामबाग-वाराणसी-पं. दीन दयाल उपाध्याय	मानिकपुर-प्रयागराज छिवकी-पं. दीन दयाल उपाध्याय	प्रयागराज छिवकी 20:00-20:02	16.06.24 से 21.07.24
19422	पटना-अहमदाबाद	पं. दीन दयाल उपाध्याय-वाराणसी-प्रयागराज रामबाग-प्रयागराज-मानिकपुर	पं. दीन दयाल उपाध्याय-प्रयागराज छिवकी-मानिकपुर	प्रयागराज छिवकी 18:40-18:42	18.06.24 से 23.07.24
01025	दादर-बलिया	मानिकपुर-प्रयागराज-प्रयागराज रामबाग-वाराणसी	मानिकपुर-प्रयागराज छिवकी-ब्लॉक हट के-वाराणसी-जौनपुर	प्रयागराज छिवकी 18:32-18:34	12.06.24 से 24.07.24
01026	बलिया-दादर	वाराणसी-प्रयागराज रामबाग-प्रयागराज-मानिकपुर	जौनपुर-वाराणसी-ब्लॉक हट के-प्रयागराज छिवकी-मानिकपुर	प्रयागराज छिवकी 21:51-21:53	12.06.24 से 26.07.24
01027	दादर-गोरखपुर	मानिकपुर-प्रयागराज-प्रयागराज रामबाग-वाराणसी	मानिकपुर-प्रयागराज छिवकी-ब्लॉक हट के-वाराणसी-जौनपुर	प्रयागराज छिवकी 18:35-18:37	11.06.24 से 25.07.24
01028	गोरखपुर-दादर	वाराणसी-प्रयागराज रामबाग-प्रयागराज-मानिकपुर	जौनपुर-वाराणसी-ब्लॉक हट के-प्रयागराज छिवकी-मानिकपुर	प्रयागराज छिवकी 21:51-21:53	13.06.24 से 25.07.24
07651	जालना-छपरा	मानिकपुर-प्रयागराज-प्रयागराज रामबाग-वाराणसी	मानिकपुर-प्रयागराज छिवकी-ब्लॉक हट के-वाराणसी	प्रयागराज छिवकी 21:45-21:47	13.06.24 से 24.07.24
07652	छपरा-जालना	वाराणसी-प्रयागराज रामबाग-प्रयागराज-मानिकपुर	वाराणसी-ब्लॉक हट के-प्रयागराज छिवकी-मानिकपुर	प्रयागराज छिवकी 05:26-05:28	14.06.24 से 19.07.24
05193	छपरा-पनवेल	वाराणसी-प्रयागराज रामबाग-प्रयागराज-मानिकपुर	जौनपुर-वाराणसी-ब्लॉक हट के-प्रयागराज छिवकी-मानिकपुर	प्रयागराज छिवकी 22:19-22:21	13.06.24 से 25.07.24
05194	पनवेल-छपरा	मानिकपुर-प्रयागराज-प्रयागराज रामबाग-वाराणसी	मानिकपुर-प्रयागराज छिवकी-ब्लॉक हट के-वाराणसी-जौनपुर	प्रयागराज छिवकी 01:24-01:29	14.06.24 से 19.07.24
22198	वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-कोलकाता	वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-गोविन्दपुरी-प्रयागराज-पं. दीन दयाल उपाध्याय	वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-मानिकपुर-प्रयागराज छिवकी-पं. दीन दयाल उपाध्याय	प्रयागराज छिवकी 04:14-04:19	14.06.24 से 19.07.24
12396	अजमेर-राजेन्द्र नगर (ट.)	आगरा फोर्ट-टूंडला-प्रयागराज-पं. दीन दयाल उपाध्याय	आगरा कैंट-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-मानिकपुर-प्रयागराज छिवकी-पं. दीन दयाल उपाध्याय	आगरा कैंट 09:04-09:09 प्रयागराज छिवकी 17:00-17:05	14.06.24 से 26.07.24
12495	बीकानेर-कोलकाता	आगरा फोर्ट-टूंडला-प्रयागराज-पं. दीन दयाल उपाध्याय	आगरा कैंट-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-मानिकपुर-प्रयागराज छिवकी-पं. दीन दयाल उपाध्याय	आगरा कैंट 15:27-15:32 प्रयागराज छिवकी 22:15-22:20	13.06.24 से 25.07.24
04151	कानपुर सेंट्रल-लोकमान्य तिलक(ट.)	प्रयागराज-मानिकपुर-सतना	भीमसेन-खैरार-ओहन-सतना	--	14.06.24 से 26.07.24
04152	लोकमान्य तिलक(ट.)-कानपुर सेंट्रल	सतना-मानिकपुर-प्रयागराज	सतना-ओहन-खैरार-भीमसेन	--	15.06.24 से 20.07.24
12816	आनन्द विहार(ट.)-पुरी	कानपुर सेन्ट्रल-प्रयागराज-पं. दीन दयाल उपाध्याय	कानपुर सेन्ट्रल-लखनऊ-पं. दीन दयाल उपाध्याय	--	12.06.24 से 25.07.24
09447	अहमदाबाद-पटना	कानपुर सेन्ट्रल-प्रयागराज-पं. दीन दयाल उपाध्याय	कानपुर सेन्ट्रल-लखनऊ-पं. दीन दयाल उपाध्याय	--	12.06.24 से 24.07.24

रेलगाड़ियों का आंशिक निरस्तीकरण/ओरिजिनेशन

गाड़ी सं.	स्टेशन से - स्टेशन तक	आंशिक निरस्तीकरण/ओरिजिनेशन	प्रारंभिक स्टेशन से प्रभावी तिथि
03333/03334	पं. दीन दयाल उपाध्याय-सूबेदारगंज	प्रयागराज छिवकी	12.06.24 से 26.07.24
04193/04194	पं. दीन दयाल उपाध्याय-सूबेदारगंज	प्रयागराज छिवकी	12.06.24 से 26.07.24

नोटः- ट्रेनों से सम्बंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट railmadad. indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे G20 999/24(A)

North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @northcentralrailway | @CPROMCR

संक्षिप्त

बजाज हाउसिंग फाइनेंस ने 7,000 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए दस्तावेज दाखिल किए

नयी दिल्ली। बजाज हाउसिंग फाइनेंस ने आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के जरिए 7,000 करोड़ रुपये जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी के पास आरंभिक दस्तावेज दाखिल किए हैं। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास दाखिल दस्तावेजों के अनुसार, प्रस्तावित आईपीओ में 4,000 करोड़ रुपये तक के नए इक्विटी शेयर जारी किए जाएंगे और मूल कंपनी बजाज फाइनेंस द्वारा 3,000 करोड़ रुपये के इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल है। शेयर बिक्री भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के नियमों का पालन करने के लिए की जा रही है, जिसके अनुसार ऊपरी स्तर की गैर–बैंकिंग वित्त कंपनियों (एनबीएफसी) को सितंबर, 2025 तक शेयर बाजारों में सूचीबद्ध होना आवश्यक है। नए निर्गम से प्राप्त राशि का उपयोग कंपनी की पूंजी आधार को बढ़ाने के लिए किया जाएगा ताकि भविष्य की पूंजी जरूरतों को पूरा किया जा सके। बजाज हाउसिंग फाइनेंस एक गैर–जमा लेने वाली हाउसिंग फाइनेंस कंपनी है जो सितंबर, 2015 से राष्ट्रीय आवास बैंक के साथ पंजीकृत है। यह आवासीय और वाणिज्यिक संपत्तियों की खरीद और नवीनीकरण के लिए वित्तीय समाधान प्रदान करती है। बीते वित्त वर्ष (2023–24) के लिए कंपनी का शुद्ध लाभ 38 प्रतिशत वृद्धि के साथ 1,731 करोड़ रुपये जुटाए थे।

श्रीलंका ने ऋण पुनर्गठन के मोर्चे पर मजबूत प्रगति की : आईएमएफ

कोलंबो। श्रीलंका के वृहद आर्थिक सुधारों के नतीजे सामने आने लगे हैं और देश को जल्द ही बाहरी वाणिज्यिक ऋणदाताओं के साथ समझौते पर पहुंचने की उम्मीद है। आईएमएफ ने नकदी की कमी से जूझ रहे देश के लिए अपने 2.9 अरब अमेरिकी डॉलर के राहत कार्यक्रम की दूसरी समीक्षा से पहले यह बात कही। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के संचार

विभाग की निदेशक जूली कोजैक ने शुक्रवार को एक संवाददाता सम्मेलन में जोर देकर कहा कि श्रीलंका ने ऋण पुनर्गठन के मोर्चे पर मजबूत प्रगति की है। उन्होंने कहा कि श्रीलंका का प्रदर्शन मजबूत है, दूसरी समीक्षा के लिए अधिकांश मात्रात्मक और संरचनात्मक शर्तें पूरी हुईं या देरी से लागू हुईं हैं। उन्होंने कहा कि कुछ क्षेत्रों में सुधार अभी भी जारी हैं। श्रीलंका को 2.9 अरब अमेरिकी डॉलर के राहत के तहत आईएमएफ की विस्तारित निधि सुविधा की दूसरी समीक्षा 12 जून को होनी है। कोजैक ने पुष्टि की कि आईएमएफ का कार्यकारी बोर्ड दूसरी समीक्षा और अनुच्छेद–चार परामर्श पर चर्चा करने के लिए बैठक करेगा।

पीटीसी इंडिया का मार्च तिमाही में शुद्ध लाभ 30 प्रतिशत घटा

नयी दिल्ली। बिजली कारोबार समाधान प्रदाता पीटीसी इंडिया का मार्च तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ लगभग 30 प्रतिशत घटकर 91.11 करोड़ रुपये रह गया। कंपनी ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि वित्त वर्ष 2023–24 की चौथी तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 91.11 करोड़ रुपये रहा जबकि एक साल पहले की समान तिमाही में यह 129.34 करोड़ रुपये था। समीक्षाधीन तिमाही में उसकी कुल मात्रा 10 प्रतिशत बढ़कर 18.02 अरब यूनिट तक पहुंच गई, जो एक साल पहले की समान अवधि में 16.39 अरब यूनिट थी। वित्त वर्ष 2023–24 में उसका एकीकृत लाभ बढ़कर 533.16 करोड़ रुपये हो गया जबकि वित्त वर्ष 2022–23 में यह 507.15 करोड़ रुपये था। पीटीसी इंडिया के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक राजीव के मिश्रा ने बताया कि निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2023–24 के लिए 7.80 रुपये प्रति इक्विटी शेयर का लाभांश देने की सिफारिश की है।

हिमाचल मत्स्य विभाग ने केंद्रीय मीठाजल जलकृषि अनुसंधान के साथ समझौता किया

बिलासपुर। हिमाचल प्रदेश मत्स्य विभाग ने शुक्रवार को केंद्रीय मीठाजल जलकृषि अनुसंधान, भुवनेश्वर के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इसके तहत राज्य के किसानों को मछली आहार तकनीक और जयंती रोहू तथा उन्नत कतला प्रजाति के बीज उपलब्ध कराए जाएंगे। एमओयू के तहत, सीफोम ब्रूड मछली आहार तकनीक, जयंती रोहू और मछली की उन्नत कतला प्रजाति के बीज केंद्रीय मीठाजल जलकृषि अनुसंधान द्वारा हिमाचल प्रदेश मत्स्य विभाग को उपलब्ध कराए जाएंगे। मत्स्य विशेषज्ञों ने कहा कि अमूर कार्प, जयंती रोहू और उन्नत कतला प्रजातियों जैसी उन्नत मछली किस्मों की वृद्धि दर पारंपरिक प्रजातियों की तुलना में 15 से 20 प्रतिशत अधिक है और इन प्रजातियों का पालन करके अधिक आय हासिल की जा सकती है। मत्स्य विभाग के निदेशक विवेक चंदेल ने कहा कि विभाग किसानों की आय बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि इस समझौता ज्ञापन का लाभ निकट भविष्य में दिखाई देगा और किसानों की आर्थिक स्थिति में निश्चित रूप से सुधार होगा।

हार के बाद केन विलियमसन का छलका दर्द, कहा–

अफगानिस्तान ने हमें तीनों विभाग में पछाड़ा

न्यूजीलैंड टीम टी20 वर्ल्ड कप 2024 में बड़े उलटफेर का शिकार हो गई। न्यूजीलैंड को शनिवार को अफगानिस्तान के हाथों 84 रन से हार झेलनी पड़ी। ये टी20 वर्ल्ड कप में न्यूजीलैंड की रनों के हिसाब से सबसे बड़ी हार है। अफगान टीम ने गुयाना के मैदान पर 159/6 का स्कोर खड़ा किया। जवाब में न्यूजीलैंड की पारी 15.2 में 75 रन सिमट गई, जो टी20 क्रिकेट में उसका चौथा न्यूनतम स्कोर है। अफगानिस्तान के कप्तान और स्टार लेग स्पिनर राशिद खान ने चार विकेट चटकाए।

केन विलियमसन की अगुवाई वाली न्यूजीलैंड टीम टी20 वर्ल्ड कप 2024 में बड़े उलटफेर का शिकार हो गई। न्यूजीलैंड को शनिवार को अफगानिस्तान के हाथों 84 रन से हार झेलनी पड़ी। ये टी20 वर्ल्ड कप में न्यूजीलैंड की रनों के हिसाब से सबसे बड़ी हार है। अफगान टीम ने गुयाना के मैदान पर 159/6 का स्कोर खड़ा किया। जवाब में न्यूजीलैंड की पारी 15.2 में 75 रन सिमट गई, जो टी20 क्रिकेट में उसका चौथा न्यूनतम स्कोर है। अफगानिस्तान के कप्तान और स्टार लेग स्पिनर राशिद खान ने चार विकेट चटकाए। पेसर फजलहक फारूकी को भी इतने ही विकेट मिले। न्यूजीलैंड के कप्तान विलियमसन का शर्मनाक हार का दर्द छलका है। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान ने हमें तीनों विभाग में पछाड़ा है। बता दें कि, मैच के बाद विलियमसन ने कहा कि, सबसे पहले अफगानिस्तान टीम को बधाई। उन्होंने हमें हर विभाग में पछाड़ा। उस स्कोर तक पहुंचने के लिए अफगानिस्तान ने अपने विकेट बचाए रखे और अच्छा स्कोर बनाया। हमें इस हार को जल्दी से भूलकर अपनी अगली चुनौती पर ध्यान देना होगा। खिलाड़ियों ने इस मैच के लिए बड़ी मेहनत की लेकिन मुश्किल का सामना करना पड़ा। हमें अब आगे बढ़ने की जरूरत है। इस टूर्नामेंट में गेम तेजी से आते हैं। 160 रन के लक्ष्य का पीछा करना मुश्किल था। हमें साझेदारी की जरूरत थी। अफगानिस्तान के स्पिनर्स के पास जो स्किल्स है, उसने हमारी राह मुश्किल बनाई। हमरी फील्डिंग निराशाजनक रही, खासकर शुरुआती 10 ओवरों में, हमारे पास मौके थे जिन्हें भुना नहीं सके। केन ने आगे कहा कि, हमें सही दिशा में कदम उठाने की जरूरत है। हम जानते हैं कि हम आज के प्रदर्शन की तुलना में बेहतर हैं। हमें आगे बढ़ना होगा और अगले मैच में उतरने के लिए खुद को बेस्ट चांस देना होगा। हमारे अपने अवसरों का लाभ नहीं उठाया और ये मैच के परिणाम को बदलने में बहुत मददगार साबित हुआ। वहीं ग्रुप सी का हिस्सा न्यूजीलैंड टीम को टूर्नामेंट में अपने दूसरे मैच में वेस्टइंडीज से भिड़ना है। ये मैच 12 जून को त्रिनिदाद के ब्रायन लारा स्टेडियम में आयोजित होगा।

न्यूजीलैंड को चारों खाने चित कर अफगानिस्तान ने तोड़े कई रिकॉर्ड

अफगानिस्तान ने न्यूलीलैंड को हराकर ऐतिहासिक जीत दर्ज कर ली है। इसी के साथ राशिद खान की कप्तानी वाली टीम कई रिकॉर्ड भी अपने नाम दर्ज कर लिए हैं। उन्होंने कीवी टीम को महज 75 रनों पर ढेर कर दिया और 84 रनों से जीत दर्ज कर ली। ये न्यूजीलैंड के सबसे खराब प्रदर्शन में से एक है।

टी20 वर्ल्ड कप 2024 के मुकाबले में अफगानिस्तान ने न्यूलीलैंड को हराकर ऐतिहासिक जीत दर्ज कर ली है। इसी के साथ राशिद खान की कप्तानी वाली टीम कई रिकॉर्ड भी अपने नाम दर्ज कर लिए हैं। उन्होंने कीवी टीम को महज 75 रनों पर ढेर कर दिया और 84 रनों से जीत दर्ज कर ली। ये न्यूजीलैंड के सबसे खराब प्रदर्शन में से एक है। अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान बल्लेबाजी में कुछ खास नहीं कर सके, लेकिन उन्होंने गेदंबाजी का नेतृत्व सबसे आगे रहकर किया। स्पिन गेंदबाज ने 4 ओवरों में स्पेल में 17 रन देते हुए पूरे 4 विकेट चटका लिए। टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में किसी कप्तान द्वारा ये सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आंकड़े हैं।

टी20 वर्ल्ड कप में कप्तान के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आंकड़े

4/17 राशिद खान (अफगानिस्तान) अे न्यूजीलैंड, प्रोविडेंस स्टेडियम

4/20– डेनियल विटोरी (न्यूजीलैंड) अे भारत, जोहानिसबर्ग, 2007

4/20– जीशान मकसूद (ओमान) अे पीएनजी, अल अमिरात 2001

टी20 वर्ल्ड कप में रनों का मामले में न्यूजीलैंड पर बड़ी जीत

अफगानिस्तान ने टी20 वर्ल्ड कप में रनों के मामले में न्यूजीलैंड पर सबसे बड़ी जीत दर्ज कर बड़ा उलटफेर किया है। इससे पहले कीवी टीम को श्रीलंका ने 2014 में 59 रनों के अंतर से हराया था, लेकिन अफगानियों ने 84 रनों की बड़ी हार देकर ये रिकॉर्ड भी तोड़ दिया है।

भारत से हारते ही टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगा पाकिस्तान ?

पूरा क्रिकेट जगत और फैंस टी20 वर्ल्ड कप 2024 में आखिरकार जिस मुकाबले का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे वो दिन आने वाला है। 9 जून यानी रविवार को क्रिकेट जगत के दो चिर परिचित प्रतिद्वंद्वी भारत और पाकिस्तान आपस में टकराएंगी। दोनों के बीच न्यूयॉर्क के नासाउ क्रिकेट स्टेडियम में भारतीय समयानुसार रात 8 बजे से ये मैच खेला जाएगा। जहां अपना पहला मैच जीतकर आने वाली भारतीय टीम पाकिस्तान को हराकर अपनी दूसरी जीत दर्ज करना चाहेगी। वहीं अमेरिका के खिलाफ पहला मैच गंवाने वाली पाकिस्तान को अपनी पहली जीत का इंतजार है। वहीं अगर पाकिस्तान का अपने दूसरे मैच में भारत से हार का सामना करना पड़ा तो क्या वो टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगा? एक नजर डालते हैं पूरे समीकरण पर।

पाकिस्तान हारता है तो?

भारत और पाकिस्तान दोनों ही एक ही ग्रुप ए में हैं। भारत फिलहाल एक मैच में जीत के साथ अंक तालिका में 2 प्वाइंट्स के साथ दूसरे नंबर पर है। इसके अलावा पाकिस्तान अमेरिका से हार झेलने के बाद चौथे नंबर पर काबिज है। वहीं अब भारत के खिलाफ मैच पाकिस्तान के लिए सुपर–8 में क्वालीफाई करने के जरिए से काफी अहम है। इस मैच में अगर पाक टीम हार जाती है, तो अंकतालिका इस बात पर निर्भर करेगा कि वह कितनी बुरी तरह से हारी है।

पाकिस्तान अगर एकतरफा मैच हारता है, तो वह अंकतालिका में सबसे नीचे पायदान पर भी पहुंच सकता है। इसके अलावा पाकिस्तान के सुपर–8 में क्वालीफाई करने के सपने को भी करार झटका लगेगा। अब ये देखना दिलचस्प होगा की पाकिस्तान भारत के खिलाफ मुकाबले में किस तरह का प्रदर्शन करेगी।

टीवीएस मोटर ने सक्रिय निरीक्षण के लिए चुनिंदा ई–स्कूटर वापस मंगाए

टीवीएस मोटर कंपनी ने शुक्रवार को कहा कि वह आईक्यूब इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के चुनिंदा समूह को निरीक्षण के लिए वापस मंगा रही है। दोपहिया वाहन विनिर्माता ने एक बयान में कहा कि वह 10 जुलाई, 2023 से नौ सितंबर, 2023 के बीच निर्मित इकाइयों के ब्रिज ट्यूब का निरीक्षण करेगी, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वाहनों का प्रदर्शन लंबे समय तक अच्छा रहे। कंपनी ने कहा कि अगर जरूरी हुआ तो ग्राहक से कोई धनराशि लिए बगैर प्रभावित स्कूटरों में सुधार किया जाएगा। टीवीएस मोटर ने कहा कि कंपनी या उसके डीलर वाहनों को मंगाने के लिए व्यक्तिगत रूप से ग्राहकों से संपर्क करेंगे।

एलन मस्क ने मोदी को चुनाव में जीत पर बधाई दी, कहाः भारत में रोमांचक कार्य करने को उत्सुक हूं

न्यूयॉर्क। टेस्ला के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एलन मस्क ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को उनकी ऐतिहासिक चुनावी जीत पर बधाई देते हुए कहा कि उनकी कंपनियां भारत में रोमांचक कार्य करने को लेकर उत्सुक हैं। मस्क ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक चुनावों में जीत पर नरेन्द्र मोदी को बधाई! मेरी कंपनियां भारत में रोमांचक कार्य शुरू करने का इंतजार कर रही हैं। मोदी नौ जून को प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे। प्रधानमंत्री के रूप में नरेन्द्र मोदी का यह लगातार तीसरा कार्यकाल होगा।

शक्तिकांत दास बोले– RBI पर बढ़ने लगा रेपो दर घटाने का दबाव, एमपीसी के फैसलों की दी जानकारी

नई दिल्ली। मजबूत आर्थिक वृद्धि और महंगाई घटने के साथ आरबीआई पर रेपो दर में कटौती का दबाव बढ़ने लगा है। केंद्रीय बैंक की ब्याज दर निर्धारण समिति के बाहरी सदस्य जयंत आर वर्मा लंबे समय से रेपो दर में कम–से–कम 0.25 फीसदी की कटौती की वकालत कर रहे हैं। अब समिति की दूसरी बाहरी सदस्य आशिमा गोयल भी इस मांग में शामिल हो गई हैं। हालांकि, आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास समेत चार सदस्यों ने प्रमुख नीतिगत दर को 6.5 फीसदी पर यथावत रखने के पक्ष में मतदान किया। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के फैसले की जानकारी देते हुए कहा, महंगाई को लक्ष्य के अनुरूप होना चाहिए। खुदरा महंगाई एक बार जब चार फीसदी पर आ जाए तो इसे वहीं रहना चाहिए। हमें जब भरोसा हो जाएगा कि यह चार फीसदी पर स्थिर रहेगी और आगे नहीं बढ़ेगी, तभी हम रेपो दर में कटौती के बारे में सोचेंगे। जब तक ऐसा नहीं होता, तब तक दरों के मोर्चे पर कोई कार्रवाई नहीं होगी। दास ने कहा, वृद्धि और महंगाई का सफर उम्मीदों के अनुरूप आगे बढ़ रहा है। लेकिन, यह चार फीसदी की तरफ यात्रा का अंतिम पड़ाव है, जो सबसे मुश्किल और पेचीदा होगा। उन्होंने अमेरिकी फेडरल रिजर्व के फैसलों से आरबीआई के नीतिगत कदम को अलग रखे जाने पर कहा, फेड रिजर्व के ब्याज घटाने पर भी आरबीआई रेपो दर में कटौती नहीं कर सकता है। आरबीआई के अनुमानों के मुताबिक, खुदरा महंगाई दिसंबर तिमाही में 3.8 फीसदी पर आई है, लेकिन बाद में फिर से बढ़कर पांच फीसदी पर पहुंच रही है। उधर, दरों में कटौती की वकालत करने वाले दोनों सदस्यों वर्मा और गोयल की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब स्विट्जरलैंड, स्वीडन, कनाडा और यूरोपीय अर्थव्यवस्थाओं के कुछ केंद्रीय बैंक 2024 में दरों में ढील देने की शुरुआत कर चुके हैं। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 651.51 अरब डॉलर की नई ऊंचाई पर पहुंच गया है। 31 मई को समाप्त सप्ताह में इसमें 4.837 अरब डॉलर का इजाफा हुआ है। इससे पिछले सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 2.027 अरब डॉलर घटकर 646.673 अरब डॉलर रहा था। 31 मई वाले सप्ताह में विदेशी मुद्रा संपत्ति 5.065 अरब डॉलर बढ़कतर 572.564 अरब डॉलर पहुंच गई। हालांकि, सोने का भंडार 21.2 करोड़ डॉलर

घटकर 56.501 अरब डॉलर रह गया।

कर्ज और जमा के बीच बने अंतर को खत्म करें बैंक

आरबीआई ने कहा, बैंकों को कर्ज और जमा वृद्धि के बीच लगातार बने अंतर का खत्म करने के लिए अपनी कारोबारी रणनीति में नए सिरे से बदलाव करने की जरूरत है। जरूरत पड़ी तो बिना गारंटी वाले यानी असुरक्षित कर्ज में वृद्धि को कम करने के लिए आगे भी कदम उठाए जा सकते हैं। केंद्रीय बैंक ने नवंबर, 2023 में असुरक्षित खुदरा कर्ज अत्यधिक वृद्धि और बैंक वित्तपोषण पर गैर–बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) की अत्यधिक निर्भरता को लेकर चिंता जताई थी। दास ने कहा, आरबीआई वित्तीय क्षेत्र, विशेषकर बैंकों के हर पहलू पर नजर रख रहा है। जब भी कुछ और उपायों की जरूरत होगी, हम कदम उठाएंगे।

सम्पादकीय.....

जननायक पटनायक

नवीन पटनायक कुछ दिन और सत्ता में रह पाते तो उनका मुख्यमंत्री के रूप में कार्यकाल देश में सबसे ज्यादा होता। इसके बावजूद लगातार 24 साल तक उन्होंने एकछत्र राज किया। हालांकि, इस बार के लोकसभा चुनाव के साथ कराये गए ओडिशा विधानसभा चुनावों में उनकी पार्टी बीजू जनता दल को करारी हार का सामना करना पड़ा है। जिस पार्टी को नब्बे के दशक में राज्य की राजनीति में पैर रखने की जगह बीजेडी ने दी थी, उसी ने उन्हें सत्ता से बेदखल कर दिया। राज्य में अब भाजपा पहली बार सरकार बनाने जा रही है। उसे विधानसभा की 78 सीटें मिली हैं। वहीं आम चुनाव में लोकसभा की कुल इक्कीस सीटों में से बीस सीटें भाजपा को मिली हैं। वक्त का पहिया कुछ ऐसा घूमा है कि लगातार पांच बार विधानसभा चुनाव जीतने और चौबीस साल तक निष्कंटक राज करने वाले नवीन पटनायक अपने एक अन्य विधानसभा क्षेत्र से चुनाव हार गए। बीजेडी को 51 विधानसभा सीटों पर सफलता जरूर मिली मगर लोकसभा की एक भी सीट बीजेडी नहीं जीत सकी। पिछले लोकसभा चुनाव में बीजेडी ने 12 व भाजपा ने आठ सीटें जीती थी। हालांकि, राजनीति के पुराने खिलाड़ी नवीन पटनायक को इस बात का बखूबी अहसास था कि भाजपा उन्हें सत्ता से विस्थापित कर सकती है। फलतरू उन्होंने अपने अंतिम कार्यकाल में भाजपा की काट के लिये सांस्कृतिक राजनीति का सहारा लेना शुरू कर दिया था। वे महसूस कर रहे थे कि ओडिशा के छोटे शहरों के युवाओं का रुझान भाजपा के सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की तरफ बढ़ रहा है। अब तक लोक कल्याण योजनाओं को अपनी राजनीति की धार बनाने वाले नवीन पटनायक ने अयोध्या की रणनीति के मुकाबले में श्रीजगन्नाथ मंदिर के आसपास में एक हेरिटेज कॉरिडोर को मूर्त रूप देने का प्रयास किया। राज्य के अनेक प्राचीन मंदिरों को जीर्णोद्धार के जरिये नये सिरे से निखारा गया। इसके अलावा हाल ही में पहले विश्व ओड़िया भाषा सम्मेलन आयोजित करके साहित्य व संस्कृति कर्मियों को जोड़ने का प्रयास किया गया।दरअसल, राज्य में बदलती राजनीतिक बयार के मद्देनजर नवीन पटनायक ने युवाओं पर केंद्रित कार्यक्रमों को तरजीह दी। लोकप्रिय कल्याण कार्यक्रमों से इतर पटनायक ने बीजेपी की तरफ बढ़ रहे युवाओं को साथ जोड़ने के लिये ओडिशा को देश के खेलों की राजधानी बनाने का प्रयास किया। उन्होंने उन खेलों को तरजीह दी जो क्रिकेट की सुनामी में हाशिये पर जा रहे थे। पटनायक सरकार ने हॉकी की राष्ट्रीय पुरुष व महिला हॉकी टीम को प्रायोजित किया। इसके अलावा पर्याप्त खेल संरचना के विस्तार के साथ ही राज्य में दो विश्व हॉकी कप श्रृंखला आयोजित की गई। राज्य में शिक्षा व स्वास्थ्य सेवाओं की असंतोषजनक स्थिति के मद्देनजर अस्पतालों का आधुनिकीकरण, स्कूलों की संरचना में बदलाव, बस सेवाओं में सुधार के प्रयास पिछले कुछ समय में किए गए। लेकिन उनकी एक कमी रही कि अपनी इन सार्थक पहलों का श्रेय लेने का प्रचार करने में वे पीछे रह गए। वहीं इन योजनाओं के क्रियान्वयन का दायित्व नौकरशाहों को सौंपने की वजह से उसका लाभ पार्टी को राजनीतिक तरीके से नहीं मिल पाया। वहीं अपने राजनीतिक उत्तराधिकारी के रूप में नौकरशाह वीके पांडियन को पार्टी व शासन में अधिक अधिकार देने का खमियाजा भी नवीन पटनायक ने भुगता। दरअसल, पांडियन तमिलनाडु मूल के हैं और ओडिशा में उनकी बेहद महत्वपूर्ण भूमिका को एक बड़ा मुद्दा बना दिया गया। जिसका भाजपा ने खूब प्रचार किया। दरअसल, सत्ता में लगातार वर्चस्व बनाये रखने वाले पटनायक ने अपने आसपास किसी राजनीतिक विकल्प बनने की संभावना को कभी पनपने नहीं दिया। पांडियन प्रकरण पटनायक के लिए बेहद नुकसानदायक साबित हुआ क्योंकि ओडिशा में एक धारणा बन गई कि राज्य की बागडोर एक गैर ओड़िया व्यक्ति को सौंपी जा रही है। दरअसल, प्रशासनिक सेवा से इस्तीफा देकर पांडियन जैसे बीजेडी में शामिल हुए और उन्होंने राजनीतिक अभियानों में भाग लिया, भाजपा ने इसे ओडिया अस्मिता का अपमान बताकर इसे बड़ा मुद्दा बना दिया। बाद में पटनायक की सफाई भी काम नहीं आई। बहरहाल, गरीबों, ग्रामीण महिलाओं तथा बुजुर्गों के लिये अनेक प्रभावी योजनाओं को सफलतापूर्वक चलाकर लोगों के दिलों में वर्षों राज करने वाले नवीन पटनायक को ओडिशा के लोग जल्दी भुला नहीं पाएंगे।

शेयर बाजार में हुए खिलवाड़ का सच

एजेन्सी

"खबरें थीं कि मई माह में विदेशी निवेशकों ने बड़ी मात्रा में अपने निवेश वापस ले लिए थे, इसका नुकसान भारतीय शेयर बाजार को हुआ। लेकिन फिर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपने बयानों में शेयर बाजार को लेकर भविष्यवाणियां की।"

मंगलवार, 4 जून को जब 18वीं लोकसभा के लिए चुनावों के नतीजे आए, तो इंडिया गठबंधन के शानदार प्रदर्शन से यह राहत मिली कि लोकतंत्र और संविधान बच गया, लेकिन वहीं शेयर बाजार के निवेशकों के लिए यह दिन राहत की जगह आफत की खबर लेकर आया।

एक्जिट पोल आने के बाद शेयर बाजार में जो उछाल देखने मिला था, वह नतीजों के आने की शुरुआत के साथ ही बुलबुले की तरह फूट गया। मंगलवार को निवेशकों के एक कारोबारी सत्र में ही 30 लाख करोड़ रुपये डूब गए। जाहिर है ये निवेशकों की जेब से निकल कर किन्हीं बड़े खिलाड़ियों की जेब में ही गए होंगे। क्योंकि लाखों करोड़ रूपए हवा में गायब नहीं हुए, एक के खाते से निकल कर दूसरे के खाते में गए। अब सवाल यही है कि वो कौन से खिलाड़ी हैं, जिन्हें शेयर बाजार में इस उछाल और गिरावट का फायदा मिला। और किस तरह इन लोगों को बाजार में होने वाली इस हलचल की पहले से ही खबर थी। चुनावों के पहले चरण के बाद से ही शेयर बाजार मे गिरावट का सिलसिला देखा जा रहा था और तब से ही कयास लगने लगे थे कि मोदी सरकार का तीसरा कार्यकाल नहीं होगा। इंडिया गठबंधन के पक्ष में जनादेश जा सकता है। क्योंकि सत्ता परिवर्तन की आहट शेयर बाजार को पहले लग जाती है। खबरें थीं कि मई माह में विदेशी निवेशकों ने बड़ी मात्रा में अपने निवेश वापस ले लिए थे, इसका नुकसान भारतीय शेयर बाजार को हुआ। लेकिन फिर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपने बयानों में शेयर बाजार को लेकर भविष्यवाणियां की। नरेन्द्र मोदी ने साफ तौर पर कहा था कि 4 जून को शेयर बाजार में उछाल आएगा, वहीं अमित शाह ने भी कहा था कि निवेशकों को स्टॉक खरीद लेने चाहिए क्योंकि उन्हें उम्मीद है कि 4 जून को बाजार चढ़ेगा। याद नहीं पड़ता कि इस देश के किसी प्रधानमंत्री या गृहमंत्री ने इससे पहले इस तरह चुनावों के बीच में और खासकर परिणाम आने वाले दिन से पहले शेयर बाजार के निवेशकों को कोई सलाह दी हो। पूर्ववर्ती मोदी सरकार के अनेक अनैतिक कामों में अब इसे भी जोड़ लेना चाहिए। प्रधानमंत्री और गृहमंत्री का काम सरकार चलाना, देश की व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से चलाना है। उन्हें शेयर बाजार का खिलाड़ी नहीं बनना चाहिए था। लेकिन ऐसा लगता है कि उन्हें इस खेल में किसी सोची–समझी रणनीति के तहत शामिल किया गया। भाजपा के कमजोर प्रदर्शन को देखते हुए यह आशंकाएं जतलाई जा रही थीं कि शायद भाजपा फिर सत्ता में न लौट पाए। ऐसे में सरकार के संरक्षण में फल–फूल रहे उद्योगपतियों को भावी नुकसान नजर आने लगा था और शायद उन्हीं के इशारों पर शेयर बाजार का ऐसा खेल चुनाव के बीच में खेला गया, जिसमें लाखों करोड़ डूब गए और देश एक जबरदस्त आर्थिक घोटाले का शिकार हो गया। चुनाव शुरु होने के पहले ही इलेक्टोरल बॉन्ड का घोटाला सामने आया था, जिसका पूरा सच अब तक सामने नहीं आ पाया है और दोषी अब भी मजे में हैं। पीएम केयर्स फंड में किस तरह से, कितना धन आया है, यह तो मोदी सरकार ने पता लगने ही नहीं दिया। कृषि बिल, अग्निवीर योजना, अयोध्या में राम मंदिर निर्माण, चीन की घुसपैठ, पुलवामा हमला, वैक्सीन से होने वाली मौतें ऐसी कई बातों का सच अभी सामने नहीं आया है कि आखिर किस नीयत से मोदी सरकार ने इन फैसलों को लिया या जो घटनाएं हुईं, उनकी हकीकत क्या है। और अब एक नया शेयर बाजार का घोटाला भी सामने आ गया है। 1 जून को एक्जिट पोल के आते ही जिस तरह शेयर बाजार चढ़ा था, तब से कांग्रेस इसे लेकर सवाल उठा रही थी और जब नतीजे आए तो अपने एक्जिट पोल में एनडीए को भारी बहुमत देने वाली एक सर्वे एजेंसी के मुखिया को कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने खरी–खरी बात कही थी कि उनके आकाओं के कारण देश के आम आदमी को इतना नुकसान हुआ है। पवन खेड़ा ने इसे सीधे देशद्रोह कहा था। वहीं अब राहुल गांधी ने भी एक प्रेस कांफ्रेंस कर शेयर बाजार के इस घोटाले पर कड़े सवाल उठाए हैं। राहुल गांधी ने तीन महत्वपूर्ण सवाल किए हैं– पहला, प्रधानमंत्री ने देश की जनता को निवेश की सलाह क्यों दी? क्यों गृह मंत्री ने उन्हें स्टॉक खरीदने का आदेश दिया? दूसरा, दोनों जो इंटरव्यू किए गए। ये अडानी समूह के चौनल को दिए गए। उन पर पहले ही सेबी की जांच बैठी है तो उस पर जांच होनी चाहिए।तीसरा, मोदी जी के ये जो फेक इन्वेस्टर हैं और जो विदेशी निवेशक हैं। इनके बीच क्या रिश्ता है और अगर रिश्ता है तो इसकी जांच होनी चाहिए।

सहमे–सहमे सरकार नजर आते हैं

अरविन्द मोहन

लंबे और थकाऊ चुनाव के बाद आए नतीजे हर बार की तरह कुछ नए हीरो लेकर आए हैं तो कई पुराने महारथियों की राजनैतिक विदाई का संदेश भी। ठीक इसी तरह मतदाताओं ने शासन और राजनीति के लिए भी कुछ एकदम नए संदेश दिए हैं तो कुछ पुराने ढर्रे पर अपने अपने ढंग से निर्णय भी सुनाया है और जाहिर तौर पर राजनेता दिन–रात जनता के बीच रहकर भी इन संदेशों को ठीक से नहीं समझते या इनकी उपेक्षा करते हैं तभी हर बार लगभग आधा सदन बदल जाता है। सरकार का स्वरूप बदल जाता है और कई बार तो सरकार बदल जाती है। संयोग है कि इस बार सरकार सीधे–सीधे नहीं बदली है, सरकार के मुखिया भी नहीं बदले हैं लेकिन जनादेश का सबसे ज्यादा प्रभाव उनके इकबाल पर ही दिखता है। सहमे–सहमे से सरकार नजर आते हैं और उनके कामकाज के आधार पर जनता ने उनको फेल भले न किया हो लेकिन उनको अपने रंग–ढंग बदलने का जनादेश तो दिया ही है। ऐसा संदेश या आदेश सिर्फ उनके लिए ही नहीं है। पक्ष–विपक्ष के लगभग सभी नेताओं के लिए है, बहन मायावती, नवीन पटनायक, चौटाला परिवार और महबूबा मुफ्ती के लिए तो कुछ ज्यादा ही सख्त जनादेश आया है। लेकिन जाहिर तौर पर सबसे ज्यादा प्रभावी और दूरगामी संदेश नरेंद्र मोदी और उनके जोड़ीदार अमित शाह के लिए है। उनकी उपलब्धियों को लेकर भी शंका जताई गई है लेकिन उनकी कार्यशैली पर ज्यादा सख्त निर्णय आया है। फैसले लेने की प्रक्रिया, मुसलमानों के प्रति उनका रवैया, मुद्दों का चुनाव, विपक्ष से ही नहीं अपने साथियों के साथ व्यवहार का तरीका और शासन चलाने की शैली पर बहुत साफ निर्णय आया है। सबको साथ, सबका विकास सिर्फ नारा भर नहीं होना चाहिए। यह संदेश नहीं आदेश है और एक ही दिन में प्रधानमंत्री और अमित शाह बदले–बदले लगे (उनके इशारों पर नाचने वाली मीडिया में बदलाव और ज्यादा और जल्दी दिखाई दिया)। सबकी श्फाइल मेन्टेनश करना, फिर जरूरत के हिसाब से अपनी लोकतान्त्रिक सत्ता के साथ सरकारी एजेंसियों के दुरूपयोग से दबाव बनाना, मीडिया के सहारे और प्रचार पर सरकारी धन खर्च करके अपने पक्ष में हवा बनाने की कोशिश करना, विरोध का निरादर ही नहीं मतदाताओं को फुसलाए जाने की चीज मानना, लोगों का उपयोग करके रद्दी की टोकरी में डालना, मौका पड़ने पर किसी का भी पैर पकड़ लेना (किसानों का उदाहरण सबसे चर्चित है) और निरंतर एक नकली विमर्श चलाते रहना ही इस कार्यशैली की मुख्य बातें हैं। लेकिन आप कुछ लोगों को पूरे समय बुद्धू बना सकते है, सबको कुछ समय तक बुद्धू बना सकते हैं लेकिन सबको सदा के लिए बुद्धू नहीं बना सकते। और बड़े हिसाब से देखें तो यह चुनाव प्रबंधन कौशल से जीतने के अति आत्मविश्वास या घमंड और आमजन की भावनाओं के स्वाभाविक अभिव्यक्ति के बीच का मुकाबला था। कई लोग इसे मोदी और शाह के घमंड के रूप में देखते हैं लेकिन यह बुनियादी तौर पर अपने साधन, संघ के मुफ्ध्त के कार्यकर्ताओं और प्रबंधन कौशल को सबसे ऊपर मानने की मानसिकता थी। और भले राहुल गांधी ने लाख अपमान सहकर भी लगातार खुद को सुधार या और मेहनत की (भाजपा उनके करीबियों को तोड़ती भी रही) तथा उद्धव ठाकरे, अखिलेश यादव और तेजस्वी यादव ने चुनाव के समय मजबूती दिखाई। लेकिन सच कहें तो मोदी–शाह की जोड़ी की ताकत से असली लड़ाई आमजन ने लड़ी। सिर्फ लड़ी नहीं जीत भी हासिल की। ऐसे–ऐसे नए और अनाम उम्मीदवारों ने भाजपा के दिग्गजों और इस जोड़ी के दुलारे नेताओं (स्मृति ईरानी और टोनी से लेकर नृपेन्द्र मिश्र के सुपुत्र तक) को पटखनी दी कि हम आप सभी तालियां बजाने को मजबूर हुए। और इस जीत का नतीजा ही है कि भाजपा के इन दोनों नेताओं का व्यवहार और बाडी लैंग्वेज एकदम बदला है। कई बार यह सुखद लगता है, कई बार दया आती है। नतीजों ने जरूर झटका दिया है लेकिन बदलाव तभी शुरू हो गया था जब नीतीश कुमार की पहल पर इंडिया गठबंधन की नींव पड़ी। तब तक भाजपा जाने कितने गीदड़ और एक शेर वाला लाइन चला रही थी। इंडिया के समांतर एनडीए को जिंदा किया गया और नए सहयोगी बनाने के लिए जाने क्या कुछ नहीं किया गया। पुराने मामले खोलने और जेल भेजना भी इनमें शामिल था। इन तरीकों से नीतीश कुमार को तोड़ना और चंद्रबाबू को जबरिया साथी बनाने में श्सफलता मिली (आज यही दोनों लाज बचाने वाले साबित हुए हैं) लेकिन अन्नाद्रमुक और उससे भी बढ़कर बीजद को साथ ला पाना संभव नहीं हुआ। कई तरह से सहयोग तो ओवैसी जैसों ने भी दिया। लेकिन सीधा साझीदार न बनकर भी बसपा ने जिस तरह से मदद की वह खुद उसके लिए आत्मघाती साबित हुआ। अब बहनजी की दौलत बचने का भरोसा जितना है उससे ज्यादा पक्का यह लग रहा है कि बसपा का आधार ही बिखर जाए। इससे छिटके दलित मतदाताओं ने ही उत्तर प्रदेश में, भाजपा को सबसे बड़ा झटका दिया। वह संविधान ही मोदी का सबसे बड़ा बोझ साबित हुआ जिसे वे खिलौना समझ रहे थे। राहुल, प्रियंका, अखिलेश, उद्धव ठाकरे, तेजस्वी, स्टालिन, ममता, कल्पना सोरेन और शरद पंवार की राजनीति को कम नहीं आंकना चाहिए लेकिन यह कहने में हर्ज नहीं है कि यह साधन, सत्ता और मैनेजरों के सहारे चुनाव जीतने के अति आत्मविश्वास और जनता पर भरोसा करने की दो अलग–अलग शैलियों की राजनीति का मुकाबला था और भले मोदी जी तिबारा प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं लेकिन उनकी शैली हार गई है। ज्यादा से ज्यादा 240 सीटों तक ही पहुंच पाई। पहले विपक्ष और लोग सहमे थे अब सत्ता पाकर भी मोदीजी और शाह जी सहमे नजर आते हैं। आगे इसी चीज पर गौर करना होगा कि कांग्रेस या स्टालिन या अखिलेश गठबंधन की राजनीति पर, जनता पर, देश की विविधता का आदर करने पर भरोसा करते हैं।

मेष :– सामाजिक गतिविधियों में आपकी क्रियाशीलता बढ़ेगी। नये लक्ष्य व कायरें में व्यस्त रहेंगे। आर्थिक क्षेत्र में परिश्रम का पूरा लाभ प्राप्त होगा। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सतर्कता अपेक्षित है।

बृषभ :– रोजगार में लाभकारी स्थिति मन को प्रसन्न रखेगी। सामाजिक कायरे में व्यस्त रहेंगे। कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। कुछ नये संबंधों के प्रति मन उत्साहित होगा।

मिथुन :– वाक्यपटुता व व्यवहार कुशलता से संबंधों में प्रभावी होंगे। भौतिक आकांक्षाएं सार्थकता हेतु मन को उद्वेलित करेंगी। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति हेतु मन केंद्रित होगा। परिवार में खुशहाल स्थिति रहेगी।

कर्क :– कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुबिधाग्रस्त होगा। भावुकता व्यावहारिक जगत के अनुकूल चलने में बाधक बनेगी। अतरू इसे सुधारें। रोजगार में व्यस्तता रहेगी किंतु जरूरी कायरे को समय से पूर्ण करें।

सिंह :– नये उत्साह व कार्य क्षमता की अनुभूति करेंगे। कार्यक्षेत्र में अनवरत् व्यस्तता रहेगी। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। महत्वपूर्ण कायरे की पूर्ति में विलम्ब कतई न करें।

कन्या :– कोई नयी इच्छा मन पर प्रभावी होगी। सामान्य दिनचर्या के साथ बीत रहे जीवन में उत्साह का अभाव रहेगा। कार्यक्षेत्र में ब्यस्तता बढ़ेगी। अपने स्वास्य के प्रति सचेत रहें।

तुला :– निराशावादी विचार योजनाओं की सार्थकता में बाधक हैं। एक साथ कई सारी चिंताओं से मन ग्रसित होगा। अभिभावको एवं श्रेष्ठजनों के सहयोग से समस्याएं हल होंगी। घर में प्रसन्नता रहेगी।

वृश्चिक :– नई प्रतिभाएं उजागर होंगी। प्रिय लोगों का सानिध्य प्राप्त होगा। शिक्षा–प्रतियोगिता में उसके परिणाम हेतु चिंतित होगा। रोजगार में स्थिति अनुकूल होगी। जीवन साथी से मधुरता कायम रखें।

धनु :– कुछ नये उत्साह व कार्य क्षमता की अनुभूति करेंगे। सभी इच्छाओं को सकार करने से पूर्व गहन सोच–विचार करें। आकस्मिक यात्रा की योजना बन सकती है।

मकर :– मर्यादा व पद का ख्याल रखते हुए अपने उच्छृंखल मन पर नियन्तग्रखें। आकस्मिक कोई सुखद समाचार से मन प्रसन्न होगा। घर में किसी मेहमान के आगमन से व्यय संभव।

कुंभ :– महत्वपूर्ण कायरें की पूर्ति हेतु मन चिंतित होगा। प्रतिभाओं पर भरोसा रख अपने महत्वपूर्ण लक्ष्यों को फलीभूत करने हेतु केंद्रित हों। ग्रहों की अनुकूलता प्रगति के अच्छे अवसर प्रदान करेगी।

मीन :– नये कायरें के क्रियान्वयन हेतु प्रयत्न तीव्र होगा। काफी दिनों से अवरोधित कोई कार्य हल होने की संभावना है। कल्पनाओं में जीना छोड़ भौतिक जगत के अनुकूल चलने का प्रयत्न करें।

नवीन पटनायक एक टूटते हुए सितारे की तरह राजनीति पटल से हुए ओझल

सुशील कुट्टी

"प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी ने ओडिशा में बीजू जनता दल के सुचारू रूप से चलने वाले शासन को एक शानदार प्रदर्शन के साथ रोक दिया, जिसका भगवा पार्टी राष्ट्रीय स्तर पर अनुकरण नहीं कर सकी।"

केवल एक भावुक रोमांटिक व्यक्ति ही ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के बारे में इस समय सोच सकता है, जो बीजेडी प्रमुख के जीवन के सबसे बुरे दिन हैं। नवीन पटनायक इतिहास बन चुके हैं और उन्हें सामान्य सार्वजनिक जीवन से भुला दिया जायेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी ने ओडिशा में बीजू जनता दल के सुचारू रूप से चलने वाले शासन को एक शानदार प्रदर्शन के साथ रोक दिया, जिसका भगवा पार्टी राष्ट्रीय स्तर पर अनुकरण नहीं कर सकी। एक तरह से कहें तो, अगर नवीन पटनायक हार गये हैं, तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी राष्ट्रीय स्तर पर कोई कमाल नहीं किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दूसरे दिन भाजपा के राष्ट्रीय मुख्यालय में साहस का परिचय दिया, लेकिन भाजपा के दिग्गज नेता राजनाथ सिंह, अमित शाह और जेपी नड्डा के चेहरों पर दिख रही उदासी कुछ और ही कहानी बयां कर रही थी, जिसे नवीन पटनायक ने नजरअंदाज कर दिया होता। इनमें से कोई भी भाजपा नेता ओडिशा में भाजपा की शानदार जीत या मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश और अरुणाचल प्रदेश में पार्टी के शानदार प्रदर्शन के बारे में नहीं सोच रहा था। वे तो केवल नरेंद्र मोदी के 10 साल के शासन के आसन्न अंत को देख रहे थे। लोकसभा में साधारण बहुमत हासिल न कर पाने पर भाजपा में व्याप्त दुख ने ओडिशा में पार्टी की जीत को पूरी तरह से मिटा दिया, यहां तक कि बेहद मुखर संबित पात्रा भी अपनी आवाज नहीं निकाल पाये। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को यह नहीं भूलना चाहिए कि यदि ओडिशा की 20 लोकसभा सीटें भाजपा ने न जीती होतीं, तो उनके लिए उनकी भी कर्कश आवाज गुम हो जाती। ओडिशा ने मोदी और भाजपा को तत्काल शर्मसार होने से बचा लिया। प्रभु पुरी जगन्नाथ ने पात्रा की श्जुबान फिसलनेश को माफ कर दिया होगा। क्या लोकसभा चुनाव में मिली हार के बाद भाजपा मोदी की शान को याद करेगी? क्या ओडिशा को बीजू जनता दल के पूरी तरह से खत्म हो जाने के बाद नवीन पटनायक का शांत स्वभाव याद आयेगा? जो जीता वही सिकंदर वाली कहावत नवीन पटनायक के साथ–साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी लागू होती है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और तेलुगु देशम पार्टी के प्रमुख चंद्रबाबू नायडू सुर्खियों में हैं, जबकि नवीन पटनायक को इस लेख में विराम चिह्न या विस्मयादि बोधक चिह्न तक नहीं मिलेगा। चंद्रबाबू नायडू ने वह हासिल किया जो नवीन पटनायक दो दशकों से हासिल कर रहे थे। लेकिन ओडिशा में बीजेडी की जीत नवीन पटनायक को सुर्खियों में नहीं ला सकती थी, क्योंकि वह व्यक्ति राष्ट्रीय सुर्खियों का लालच नहीं करता था। वह नई दिल्ली के शोरगुल वाले सत्ता गलियारों के बजाय ओडिशा के अपने शांत कोने को पसंद करता था। टीडीपी सुप्रीमो चंद्रबाबू नायडू के विपरीत, जो एक समय में दिल्ली के मंच पर राजनीतिक प्लेबॉय की तरह चलते थे, कठिन सौदेबाजी करते थे, और कठिन गिरावटों को झेलते थे। क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गठबंधन की राजनीति की मजबूरियों के चलते झुकेंगे और बिहार, आंध्र प्रदेश और भाजपा के अपने ओडिशा को विशेष दर्जा देंगे, जबकि वे बराबरी के लोगों में से एक हैं और भाजपा को अपनी डबल इंजन वाली छवि खोने का खतरा है? यह कितना बड़ा पतन है – आज यहां, कल कहां? नरेंद्र मोदी और नवीन पटनायक दोनों के सितारे गर्दिश में हैं। प्रधानमंत्री मोदी अपने सत्ता के दिनों से बाहर निकल चुके हैं और नवीन पटनायक के मुख्यमंत्री के रूप में करियर को चुपचाप दफना दिया गया है। नवीन पटनायक को ओडिया पर एक तमिल थोपना नहीं चाहिए था। वीके पांडियन नवीन पटनायक के हाथ मिलाने के लिए मौजूद नहीं होंगे। तो नवीन पटनायक अब मुख्यमंत्री नहीं रहेंगे और चंद्रबाबू नायडू फिर से आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री बनने के लिए तैयार हैं, जब तक कि वे इंडियी गठबंधन में फंसकर कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्षी समूह में शामिल नहीं हो जाते। इस स्थिति में, वे आंध्र प्रदेश के लिए वह विशेष दर्जा प्राप्त कर सकेंगे, जिसकी राज्य को चाहत है और शायद अपने लिए उप प्रधानमंत्री का पद भी। मुद्दा यह है कि आने वाले दिनों में श्विशेष दर्जाश मांगने पर ही मिलेगा, चाहे एनडीए सत्ता में हो या फिर सत्ता की बागडोर इंडिया गठबंधन के हाथ में हो। नवीन पटनायक ने राज्य के दो विधानसभा क्षेत्रों, कांटाबांजी और हिंजिली से चुनाव लड़ा। वे एक से हार गये और दूसरे से जीते। क्या वे विधानसभा में उतनी बार आयेंगे, जितनी बार वे आते, अगर बीजेडी ने शासन करने का अधिकार नहीं खोया होता? इसके अलावा, केंद्र में सरकार बनाने में बीजेडी की कोई भूमिका नहीं है। लेकिन फिर नवीन पटनायक ने सत्ता में रहते हुए भी दिल्ली की राजनीति में कभी अपनी बात नहीं रखी। पटनायक का खुद को अलग–थलग कर लेना, बीजेडी के सामने नई प्रतिकूल परिस्थितियों में और भी मजबूत हो गया है। नवीन पटनायक और चंद्रबाबू नायडू की तुलना करना, नरेंद्र मोदी और मनमोहन सिंह की तुलना करने जैसा है। एक कार्यकारी सफारी में लिपटा हुआ है और दूसरा घरेलू सादगी में लिपटा हुआ है। एक के हर हाव–भाव में हिसाब–किताब लिखा हुआ है, दूसरा जो ज्यादातर अदृश्य रहता था और सीमित महत्वाकांक्षा रखता था। लेकिन आंध्र प्रदेश और ओडिशा दोनों ही राज्यों में क्लीन स्वीप के बाद स्थिर सरकारों का आश्वासन पाकर भाग्यशाली हैं। ऐसा कहा जाता है कि जगन मोहन रेड्डी भी नवीन पटनायक की तरह की ही नाव में हैं। जगन की बहन वाईएस शर्मिला भी बेहतर स्थिति में नहीं हैं। एग्जिट पोल ने भारतीय जनता पार्टी को मोदी की अब तक की सबसे बड़ी गिरावट के लिए तैयार कर दिया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद को 400 से ज्यादा लोकसभा सीटें जीतने का वायदा कर रहे थे, लेकिन मोदी की इच्छा को आश्चर्यजनक रूप से कम कर दिया गया और नवीन पटनायक मोदी की स्थिति पर टिप्पणी करने के लिए मौजूद नहीं हैं।

कपिल शर्मा मेरे दोस्त नहीं हैं

सुमोना चक्रवर्ती, टीवी की जानी–मानी एक्ट्रेस, जिन्होंने कई सीरीयल्स में काम किया है। कपिल शर्मा के शो में कई तरह के किरदार निभाकर लोगों को हंसाया है। खुद का मजाक बनवाया है। और अब वह खतरों के खिलाड़ी 14 में नजर आएंगी। उन्होंने नवभारत टाइम्स से खास बातचीत की। पढ़िए इंटरव्यू के... शफिल्म और टीवी कलाकारों को लेकर लोगों की आम धारणा होती है कि उनकी जिंदगी तो खूब ग्लैमरस और चमक–दमक से भरी होती है मगर सच कई बार अलग भी होता है।

यह कहना है कमीडियन कपिल शर्मा की ऑनस्क्रीन पत्नी बिंदु और भूरी के रूप में मशहूर रहीं सुमोना चक्रवर्ती का। निजी जिंदगी में वे कोविड महामारी के दौर को अपने लिए सबसे मुश्किल समय मानती हैं, जब बिना काम के घर पर बैठने के चलते उन्हें कई आर्थिक समझौते करने पड़े थे।होम–लोन तक आगे बढ़ाना... सुमोना बताती हैं कि कोविड के चलते उन्हें अपना होम लोन आगे बढ़ाना पड़ा। वह बताती हैं, श्कोविड महामारी का दौर मेरे लिए काफी मुश्किल था। वह मेरे लिए मेंटली भी काफी चौलेंजिंग समय था क्योंकि मेंटल हेल्थ के लिहाज से मैं अपनी बेस्ट नहीं थी। मैं एंडोमेट्रियोसिस से जूझ रही थी। उस पर जब आपके पास काम नहीं होता है और आप पर जिम्मेदारी होती है, आपको अपने पैरेंट्स की देखभाल करनी होती है तो सब आसान नहीं होता। कोविड के टाइम हम ऐक्टर्स पूरी तरह घर पर बैठे थे। हमारे पास कॉर्पोरेट वालों की तरह जूम पर काम करने की...आम तौर पर लोग जहां सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरों और जिंदगी दोनों को फिल्टर लगाकर खूबसूरत दिखाने की ही कोशिश करते हैं, सुमोना ने वहां अपनी बीमारी एंडोमेट्रियोसिस के बारे में बेबाकी से बात की। बकौल सुमोना, श्मुझे यह तकलीफ 2011 से है जिस वजह से मैं हेल्थ, डायट को लेकर जो परहेज करना जरूरी होता है, वो करती हूं। मैंने ज्यादा कुछ सोचकर वह नहीं शेयर किया था। मेरा मूड हुआ तो मैंने शेयर कर दिया। मेरी सोच ये है कि टीवी और फिल्म में तो लोग हमारा रील साइड देख ही रहे हैं, जो असल जिंदगी से थोड़ी अलग होती है... सुमोना खतरों के खिलाड़ी जैसे स्टंट शो का हिस्सा बनने जा रही हैं। वह खुद कितनी एडवेंचरस हैं? इस पर

उन्होंने बताया, श्मुझे एडवेंचर बहुत पसंद है। मुझे ट्रैवलिंग पसंद है। मैंने बंजी जंपिंग, स्काई डाइविंग सब कर चुकी हूं। मैंने असल में एडवेंचर स्पोर्ट पर स्विट्जरलैंड में एक पूरा शो किया था। इसलिए मैंने खतरों के खिलाड़ी के लिए हामी भरी क्योंकि अभी मेरे पास वक्त था तो सोचा कि चलो, कर लेते हैं। कपिल के शो को करती हैं मिस?लंबे समय तक कपिल शर्मा के शो का हिस्सा रहीं सुमोना क्या उस शो और उन साथियों को मिस करती हैं? यह पूछने पर उन्होंने कहा, श्वो कमाल के दस साल रहे। हमारा एक प्रॉजेक्ट खत्म हुआ, तो उसने आगे जाकर दूसरा प्रॉजेक्ट किया और मैं दूसरा प्रॉजेक्ट कर रही हूं। इतनी सी बात है। रही मिस करने की बात तो वे मेरे कलीग्स हैं, मगर मैंने काम और पर्सनल लाइफ को बहुत अलग रखा है। मैं काम को घर और घर को काम पर लेकर नहीं... अभिनेत्री सुमोना चक्रवर्ती ने कपिल शर्मा के टेलीविजन शो में दस साल से ज़्यादा समय तक काम किया और वह उनकी टीम की स्थायी सदस्य थीं, क्योंकि उनके शो ने कई अवतार बदले। लेकिन अब, जब कपिल अपनी टीम के बाकी सदस्यों के साथ नेटफ्लिक्स पर द ग्रेट इंडियन कपिल शो के लिए चले गए हैं, तो सुमोना अब उस गिरोह का हिस्सा नहीं हैं। अब, हाल ही में एक इंटरव्यू में, सुमोना से पूछा गया कि क्या उन्हें कपिल और टीम की याद आती है और उन्होंने उनके साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में बात की। जब सुमोना से पूछा गया कि क्या वह कपिल और उनकी टीम को मिस करती हैं, तो उन्होंने कहा, ष्वे मेरी जिंदगी के बेहतरीन 10 साल थे। एक प्रोजेक्ट खत्म हुआ, तो उन्होंने (कपिल) आगे बढ़कर दूसरा प्रोजेक्ट शुरू कर दिया और मैं दूसरा प्रोजेक्ट कर रही हूं। बस इतना ही है।ष उन्होंने यह भी कहा, ष्जहां तक घ्मिस करने की बात है, तो वे मेरे सहकर्मी हैं।

मैंने अपनी निजी और पेशेवर जिंदगी के बीच एक रेखा खींची है। मैं अपना काम घर नहीं ले जाती और मैं अपनी निजी जिंदगी को काम पर नहीं लाती।ष सुमोना ने पहली बार कॉमेडी स्पेस में कदम रखा जब उन्हें कपिल के साथ कहानी कॉमेडी सर्कस की में देखा गया। कॉमेडी सर्कस के विभिन्न संस्करणों में, टेलीविजन अभिनेताओं को कॉमेडियन के साथ जोड़ा गया था और हर हफ्ते, यह जोड़ी अन्य अभिनेता–कॉमेडियन जोड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करती थी। कपिल ने कॉमेडी सर्कस के कई सीजन जीते। इसके तुरंत बाद, सुमोना को कलर्स के कॉमेडी नाइट्स विद कपिल में कपिल की पत्नी की भूमिका में लिया गया। इसके बाद वह 2016 में द कपिल शर्मा शो में चली गईं जब कॉमेडियन कलर्स से सोनी टीवी पर चले गए और 2023 में अपना रन खत्म होने तक इसके साथ रहे। हालांकि, सुमोना को नेटफ्लिक्स पर द ग्रेट इंडियन कपिल शो के कलाकारों में से एक के रूप में घोषित नहीं किया गया था। जब उनसे इस बारे में पूछा गया, तो उन्होंने पीटीआई से कहा, ष्मेरे पास इसका कोई जवाब नहीं है। जिस शो का मैं हिस्सा थी, जो दूसरे चौनल पर था, वह पिछले साल जुलाई में खत्म हो गया था। तब से, मैं अपनी यात्रा पर हूँ, अपनी चीजें कर रही हूँ, नेटवर्किंग कर रही हूँ और लोगों से मिल रही हूँ।ष उन्होंने कहा, ष्मुझे पता है कि प्रशंसकों ने (मुझे शो में) मिस किया है, मैंने उनके संदेश देखे हैं। मैं हर जगह लोगों से मिलती हूँ, जिस क्षण आप घर से बाहर निकलते हैं, आपके पड़ोसी आपको बताते हैं (उन्हें शो में आपको देखना याद आता है)। यही वह चीज है जो आपको कुछ अलग करने के लिए प्रेरित करती है।ष

> **कपिल शर्मा शो के लोग मेरे कलीग्स हैं, उनकी याद नहीं आती क्योंकि मैं काम को घर नहीं लाती– सुमोना**

मरून शिमरी गाउन में सनी लियोनी ने लगाया ग्लैमर का तड़का

सनी लियोनी मरून शिमरी बॉडीकॉन गाउन में कहर ढाती नजर आ रहीं हैं, जैसा की आप इन तस्वीरों में साफ देख...

नेशनल क्रश तृप्ति डिमरी ने थाई–हाई स्लिट गाउन में दिए किलर पोज, फैंस बोले – हॉटी

तृप्ति डिमरी ब्लैक कलर के स्ट्रैपी थाई–हाई स्लिट गाउन में बेहद हॉट लग रहीं हैं, जिन पर फैंस दिल...

शनाया कपूर ने शेयर कीं मिक्स्ड फीलिंग्स वाली क्यूट पिक्स, क्या आपने भी देखीं

शनाया कपूर व्हाइट फ्लोरल प्रिंटेड ड्रेस में हद से ज्यादा खूबसूरत लग रहीं हैं, जिन्हें देख फैंस दीवाने हो...

इमरान पर लगे थे ड्रग एडिक्शन के आरोप

फिल्म श्जाने तू या जाने नाश से बॉलीवुड डेब्यू करने वाले एक्टर इमरान खान लंबे वक्त से फिल्मों से दूर हैं। हाल ही में, इमरान खान ने उन दिनों के बारे में बात की, जब वो लाइमलाइट से दूर थे। मीडिया में खबरें आनी शुरू हो गई थीं कि वो ड्रग्स के शिकार हो गए हैं। इस खबर से उनकी फैमिली में बहुत टेंशन का माहौल बन गया था।घरवालों को समझाने में बड़ी मुश्किल हुई एक बार जब खबर छपी कि इमरान ड्रग्स लेते हैं, खबर को पढ़कर उनके घरवाले कह रहे थे कि देखो मीडिया में तुम्हारे बारे में क्या कहा जा रहा है। उन्होंने तुम्हारी फोटो पोस्ट की है, वो कह रहे हैं कि तुम ड्रग्स लेते हो..ये सब क्या हो रहा है? इमरान का कहना है कि इस तरह की खबरों के बाद वो अपने पेरेंट्स को समझाया करते थे कि ये सब जो लिखा जा रहा है वो सच नहीं है। मैं उन्हें समझाता था कि मैं ऐसी बातों को कंट्रोल नहीं कर सकता हूं। लोगों के जो मन में आता है वो लिख देते हैं, बिना ये सोचे कि इसका दूसरों की लाइफ पर क्या प्रभाव पड़ेगा। इस रूमर्ड को लेकर उनके घर में बहुत बातें हुआ करती थीं। एक्टर ने कहा इस सिचुएशन को संभालना उनके लिए इतना आसान नहीं था। कभी प्रेस रिलीज क्यों जारी नहीं किया? इमरान से पूछा गया कि उन्होंने सफाई देने के लिए कभी प्रेस रिलीज क्यों जारी नहीं किया।

दीपिका पादुकोण और रणबीर कपूर स्क्रीन पर अलग होने के बाद पहली बार ये जवानी है दीवानी में साथ आए थे। आज यानी 31 मई को रिलीज के 11 साल पूरे करने वाली यह फिल्म चर्चा का विषय बन गई क्योंकि यह उन दुर्लभ पलों में से एक था जब दो एक्स एक रोमांटिक फिल्म के लिए साथ आए।

दीपिका पादुकोण और रणबीर कपूर स्क्रीन पर अलग होने के बाद पहली बार ये जवानी है दीवानी में साथ आए थे। आज यानी 31 मई को रिलीज के 11 साल पूरे करने वाली यह फिल्म चर्चा का विषय बन गई क्योंकि यह उन दुर्लभ पलों में से एक था जब दो एक्स एक रोमांटिक फिल्म के लिए साथ आए। उनकी केमिस्ट्री ने स्क्रीन और बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा दी। प्रमोशन से यह भी संकेत मिला कि दीपिका और रणबीर अपने रिश्ते से आगे बढ़ चुके हैं और अच्छे दोस्त बन गए हैं।हालांकि, ब्रेकअप के बाद उनकी दूसरी फिल्म तमाशा के दौरान दिए गए एक इंटरव्यू में दीपिका ने स्वीकार किया कि ब्रेकअप के बावजूद वह अभी भी रणबीर से प्यार करती हैं। रणबीर ने यह भी कहा कि वह भी दीपिका को परिवार के सदस्य की तरह प्यार करते हैं। जब बॉम्बे टाइम्स ने दीपिका से पूछा कि क्या वह अभी भी रणबीर से प्यार करती हैं, तो उन्होंने कहा, ष्बेशक मैं करती हूँ।ष उन्होंने आगे कहा ष्वह ऐसा व्यक्ति है जिसे मैंने हमेशा प्यार किया है और जिसके लिए मैं हमेशा बेहद अधिकार जताती रहूँगी और बहुत सुरक्षात्मक रहूँगी। जब मैं उनके बारे में पढ़ती हूँ, जब मैं उनका काम देखती हूँ, चाहे वह अच्छा हो या बुरा, मेरे दिमाग में एक मोनोलॉग चल रहा होता है जिसे मैं उनके साथ शेयर करती हूँ।

उन्होंने आगे कहा "मैं शायद तुरंत फोन उठाकर उनसे बात भी कर सकती हूँ। एक ऐसा दौर था जिससे वह गुजर रहे थे, जहाँ मुझे लगा कि उनका व्यवहार थोड़ा बदल गया है (मुझे नहीं पता था कि यह जानबूझकर किया गया था या वह उस व्यक्ति बन गए थे या इसे गलत तरीके से समझा गया था)। लेकिन इसने मुझे बहुत परेशान किया।

उन्होंने आगे कहा कि हम एक–दूसरे के जीवन में नहीं हैं, यह जानने के लिए कि यह बदलाव स्थायी था या पूरी तरह से मनगढ़ंत था। लेकिन मुद्दा यह है कि उनके बारे में जो बातें बताई जा रही थीं, मुझे लगा कि मुझे उनसे फोन पर बात करने और यह बताने का अधिकार है कि जो चल रहा था वह सही नहीं था। इसी तरह उनकी फिल्म के साथ, जैसे ही मैं उनका काम देखूँगी, मैं उन्हें बताऊँगी। इसी तरह, वह मेरी फिल्में देखेंगे और मुझे बताएँगे कि उन्हें क्या पसंद आया और क्या नहीं।

जब रणबीर से पूछा गया कि क्या वह अभी भी उनसे प्यार करते हैं, तो अभिनेता ने कबूल किया कि वह करते हैं, लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि यह अपरिपक्व प्यार नहीं है। "हाँ, बिल्कुल। दीपिका के लिए मेरे मन में जो प्यार है, वह परिवार जैसा है। यह बहुत गर्मजोशी भरा है, यह देखभाल के बारे में है, उस पर गर्व करने के बारे में है। प्यार, देखभाल और सम्मान का पहलू बदल गया है, लेकिन बेहतर के लिए बदल गया है। यह आपकी अपरिपक्वता नहीं है कि मुझे उससे प्यार है। यह परिपक्वता है और यह उम्र के साथ आती है। साथ ही, हम दोनों अपने जीवन में सकारात्मक रूप से आगे बढ़ गए हैं,

आज, रणबीर और दीपिका अलग–अलग लोगों से विवाहित हैं। जबकि रणबीर ने आलिया भट्ट से शादी की है और उनकी एक बेटी है। दीपिका ने रणवीर सिंह से शादी की है और अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रही हैं।

इस समय गर्मी अपने पूरे जोरों पर है। ऐसे में सरकार भी आए दिन लोगों को घर से बाहर न निकलने की सलाह दे रही है। हर रोज नई गाइडलाइंस सामने आ रही है जिसमें बताया गया है किस तरह हम लू से बच सकते हैं। ऐसे में लोग भी हीट वेव ज्यादा होने के कारण पानी को जरूरत से ज्यादा पी रहे हैं। दरअसल, हमारा शरीर लगभग 70: पानी से बना है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक हर एक इंसान को पानी नियमित रूप से पीना चाहिए ताकि ड्राइनेस और डिहाइड्रेशन जैसी परेशानी से बचा जा सके। ऐसे में लोग जोश–जोश में जरूरत से ज्यादा पी रहे हैं जो हमारे लिए बहुत हानिकारक भी साबित हो सकता है। जी हां, पानी हमारे लिए जितना जरुरी है उतना खतरनाक भी हो सकता है। इसलिए जितनी पानी की जरूरत या सही मात्रा हो उस हिस्बा से ही पानी पीना चाहिए। इसी के साथ चलिए अब हम बताते हैं जरूरत से ज्यादा पानी से क्या नुकसान हो सकता है और आपको दिन में पानी की कितनी पात्रा सही है।

शरीर में सोडियम की कमी

कम समय में 3 से 4 लीटर पानी पीने से हाइपोनेट्रिमिया जैसी परिस्थिति उत्पन्न हो सकती है जिसमें खून के अंदर सोडियम की मात्रा कम हो जाती है। ज्यादा पानी पीने से वाटर इंटॉक्सिकेशन जैसी समस्या भी पैदा हो सकती है जिसमें खून के अंदर सोडियम की मात्रा अत्यधिक स्तर पर कम हो जाती है। सोडियम के बिना सेल के अंदर फ्लूइड अनियंत्रित हो जाता है जिससे हमारा दिमाग फूल सकता है। इस परिस्थिति में कोमा या मौत भी हो सकती है।

किडनी को नुकसान

ओवरहाइड्रेशन की वजह से हमारी किडनी को भी नुकसान होता है। दरअसल जब हम अधिक पानी पीते हैं तो इसकी वजह से आर्जिनिन वैसोप्रेसिन का प्लाज्मा स्तर कम हो जाता है। जिसका सीधा असर किडनी की कार्य क्षमता पर पड़ता है। ऐसे में अधिक पानी पीने से बचना आपके लिए बेहद जरूरी है।

डायबिटीज

बार–बार प्यास लगना इस बीमारी का प्रमुख लक्षण है। डायबिटीज की वजह से खून में शुगर की मात्रा बढ़ जाती है, जिसे किडनी आसानी से नहीं छान पाती। यही शुगर यूरिन के साथ बाहर निकलती रहती है। इसकी वजह से शरीर में पानी की कमी हो जाती है। यही बार–बार प्यास लगने की वजह बनती है।

मस्तिष्क पर होने वाला असर

अगर आपको ओवरहाइड्रेशन है तो इसकी वजह से सोडियम का कम होता लेवल ब्रेन सेल्स में सूजन पैदा हो जाती है। जब ऐसा होता है तो आपको अपनी बात रखने या कहने में दिक्कत होती है, ठीक से चल पाना भी मुश्किल हो जाता है। इसके अलावा कन्फ्यूजन की समस्या का भी सामना करना पड़ सकता है।

क्या है पानी की सही मात्रा और तरीका?

एक्सपर्ट्स की मानें तो एक व्यक्ति को प्रतिदिन 15.5 कप (3.7 लीटर) और महिलाएं 11.5 कप (2.7 लीटर) पानी का सेवन करना चाहिए। इसके अलावा आयुर्वेद के अनुसार पानी हमेशा घूंट–घूंट कर पीना चाहिए। ऐसा इसलिए जरूरी है ताकि यह बॉडी के टेंप्रेचर के मुताबिक शरीर में पहुंचे। एक साथ ही सारा पानी पीना हमारी सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है।

बढ़ते बच्चों को जरूर दें ये एडवाइस

मां– बाप अपने बच्चों से बहुत उम्मीदें पालकर रखते हैं। वो चाहते हैं जिंदगी में जो वो अचीव नहीं कर पाएं वो उनके बच्चे करें। हालांकि इन सब के बीच वो बच्चों में परफेक्ट होने का इतना प्रेशर डालते हैं कि कुछ संकेतों को इग्नोर करते हैं। जी हां, बचपन में ही बच्चे कुछ ऐसे संकेत देते हैं जो आपके बच्चे को जिदंगी में अचीवर बनने से रोक सकते हैं। ये एग्जाम से कम नंबर लाना या बदतमीजी करना नहीं है। अगर आप ध्यान देंगे तो आपको समझ आएगा कि आखिर क्या हैं ये कमियां और आप इसे ठीक करने की तरफ काम भी कर सकते हैं...

आत्म– सम्मान की कमी

जिन बच्चों में आत्मसम्मान की कमी होती है, वे अपनी क्षमताओं पर संदेह कर सकते हैं और चुनौतियों का सामना करने में झिझिक सकते हैं। वे क्लास में डिस्कशन और कर्रिकुलर एक्टिविटीज में भाग लेने से बचते हैं। वहीं वो कहीं पर भी अपनी राय को खुलकर नहीं रखते हैं। इसलिए आप अपने बच्चों में कांफिडेन्श बढ़ाएं और हर अचीवमेंट पर उनकी तारीफ जरूर करें। इससे वो जिंदगी में रिस्क उठाने या कुछ करने में हिचकिचाएंगी नहीं।

काम को टालते रहना

एंग्जायटी, डर या फेल होने या प्रोत्साहन की कमी की वजह से आपका बच्चा बार–बार किसी काम को टालने की कोशिश कर सकता है। अगर आपका बच्चा आखिरी मिनट तक अपने काम या होमवर्क को टालता रहता है, तो आपको उसके इस व्यवहार का कारण पता लगाकर उसकी मदद करें।

खुद को व्यक्त न कर पाना

बच्चे को टाइम को मैनेज करने, अपने कामों को प्राथमिकता देने और डेडलाइन को पूरा करने में दिक्कत आती है तो आपको इस बात पर खास ध्यान रखना चाहिए। इस व्यवहार के चलते बच्चे का काम अधूरा छूट सकता है जो उसके तनाव का कारण बनने लगेगा। आप अपने बच्चे को व्यवस्थित तरीके से काम करना सिखाएं। असके अलावा कम्यूनिकेशन स्किल्स बेहतर न होने से बच्चा आगे जाकर करियर में दिक्कत फेस करता है। जिन बच्चों को खुद को व्यक्त करने में परेशानी होती है, वो ग्रुप एक्टिविटीज या जरूरत पड़ने पर मदद लेने से हिचकिचाते हैं।

ध्यान भटकना

फोकस न करना पाने वाली बात को हल्के में न लें। ये एडीएचडी के संकेत हो सकते हैं। ये नींद की कमी या बहुत ज्यादा टीवी देखने की वजह से हो सकते हैं। बड़ी फैमिली जहां बहुत शोर– शराबा है वो भी इसका कारण हो सकता है। पढ़ाई में अव्वल आने के लिए बच्चों की इस प्रॉब्लम को पहचानकर उसे सॉल्व करना बहुत जरूरी है। इसके अलावा डिस्लेक्सिया या एडीएचडी को इग्नोर कर देते हैं। अगर सही समय पर इनकी पहचान कर के इलाज शुरू कर दिया जाए, तो परेशानी को बढ़ने से रोका जा सकता है।

हमेशा फिट एंड फाइन रहने के लिए हमारी शरीर में सभी पोषक तत्वों का सही मात्रा में होना बेहद जरूरी होता है। ऐसे में प्रोटीन भी उन्हीं में से एक है। आपको जानकारी के लिए बता दें कि शरीर में मौजूद हर जीवित कोशिका को प्रोटीन की जरूरत होती है। एक व्यक्ति को अपने पूरे दिन में करीब 10: कैलोरी प्रोटीन को प्राप्त करना चाहिए। ऐसे में अगर हमारे शरीर में प्रोटीन की कमी होती है तो यह हमारी सेहत के लिए काफी नुकसानदायक हो सकता है। इसलिए अगर आपके शरीर में कोई बदलाव हो रहे हैं तो आपको उनपर जरूर ध्यान देना चाहिए। आज इस कड़ी में हम आपको ऐसे ही कुछ संकेतों के बारे में बताने जा रहे हैं जो प्रोटीन की कमी को दर्शाते हैं। इसके साथ यह भी आपको बताएंगे की किस तरह इसकी भरपाई आप कर सकती हैं।

चोट न भरना

शरीर में प्रोटीन की कमी की वजह से अक्सर चोट जल्दी से नहीं भरती है क्योंकि इस न्यूट्रिएंट की कमी की वजह से घाव भरने की प्रक्रिया बहुत धीमी हो जाती है। दरअसल नई कोशिकाओं को बनने के लिए वक्त और प्रोटीन लगता है, जिसकी वजह से घाव को भरने में मुश्किल आती है। ऐसे में आप के साथ भी ऐसा हो रहा है तो आपको इस पर जरूर ध्यान देना चाहिए।

बार–बार क्रेविंग होना

प्रोटीन की कमी के कारण बार–बार भूख भी लगती रहती है। ऐसे में इस समय नमकीन या मीठे फूड्स खाने की लगातार क्रेविंग होती है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि हमारे शरीर में जब प्रोटीन की कमी होती है तो खुद ही हाई प्रोटीन वाले फूड्स खाने की इच्छा होती है।

बालों का लगातार टूटना

प्रोटीन की कमी में बालों का झड़ना भी एक संकेत है। कई लोग बालों के झड़ने पर हर तरह का प्रोडक्ट इस्तेमाल करते हैं लेकिन फिर भी बाल झड़ना नहीं रुकता। यहां तक कि दिन पर दिन बालों की चमक कम हो जाती है और वो रूखे हो जाते हैं। ऐसा शरीर में प्रोटीन की कमी के कारण होता है।

शरीर में सूजन होना

विशेषज्ञों के अनुसार प्रोटीन की कमी से शरीर के किसी अंग में सूजन भी आ सकती है। इसे चिकित्सीय शब्दावली में एडिमा कहा जाता है। बता दें कि जब ब्लड में एल्बुमिन प्रोटीन की कमी होती है तो ये परेशानी हो सकती है।

थकान होना

प्रोटीन की कमी से आपकी मसल्स ढीली हो सकती हैं, जो बदले में आपकी ताकत को कम कर देती हैं, जिससे आपका संतुलन बनाए रखना कठिन हो जाता है और मेटाबॉलिज्म धीमा हो जाता है। यह एनीमिया का कारण भी बन सकता है।

मांसपेशियों में दर्द होना

मांसपेशियां अपनी जरूरत के अनुसार प्रोटीन हड्डियों से सोखने लगती हैं। इस वजह से हड्डियों में कमजोरी आ जाती है। वहीं मांसपेशियों को अधिक ऊर्जा खर्च करनी पड़ती है। यहां तक कि मसल्स में दर्द भी बना रहता है।

खांसी–जुकाम

हेल्थ एक्सपर्ट्स मानते हैं कि जिन लोगों के शरीर में प्रोटीन की कमी होती है उनका इम्युन सिस्टम कमजोर हो सकता है। ऐसे में लोगों को इंफेक्शन से घिरने का खतरा अधिक होता है।

ये हैं प्रोटीन के शाकाहारी स्रोत

अंडा

अंडा प्रोटीन का सबसे अच्छा सोर्स माना जाता है। यह विटामिन, कैल्शियम, मिनरल्स और हेल्दी फैट जैसे पोषक तत्वों से भरपूर होता है। अंडे में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर को बीमारियों से सुरक्षा प्रदान करते हैं।

सोयाबीन

प्रोटीन के लिए शाकाहारी स्रोत में सोयाबीन काफी अच्छा विकल्प है। आप सोयाबीन से रोजाना की प्रोटीन जरूरतों को पूरा कर सकते हैं। आप सोयाबीन की सब्जी या स्प्राउट्स के तौर पर इसे डाइट में शामिल कर सकते हैं।

चना

चना भी प्रोटीन का एक अच्छा स्रोत होता है। चने में कार्ब्स, फाइबर, आयरन, फोलेट, फास्फोरस, पोटैशियम आदि पोषक तत्व पाए जाते हैं। इसे खाने से पेट लंबे समय तक भरा रहता है और वजन घटाने में भी मदद मिलती है।

टोफू

सोयाबीन से बना टोफू काफी हेल्दी होता है। टोफू में अंडे के बराबर प्रोटीन पाया जाता है। आप इसे किसी भी तरह अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। टोफू में प्रोटीन के अलावा आयरन और कैल्शियम भी भरपूर होता है।

मूंग दाल

इसमें फाइबर, अमीनो एसिड, कार्बोहाइड्रेट और लिपिड पाए जाते हैं। मूंग दाल में कैलोरी की मात्रा काफी कम होती है, इसलिए इसे वजन घटाने के लिए फायदेमंद माना जाता है।

गर्मी दिन पर दिन बढ़ती जा रही है। ऐसे में सभी को घर से बाहर न निकलने की सलाह दी जा रही है। सिर्फ यही नहीं बल्कि लू से बचने के लिए लोग तरह–तरह के तरीके अपना रहे हैं। कई तो इतने अजीब चीजें भी करते हैं जिसे सुन कर आप भी हैरान हो जाएंगे। जी हां, जैसे इन दिनों लू से बचने के लिए ध्रूप में बाहर निकलने से पहले जेब में एक प्याज रखने को कहा जा रहा है। कहते हैं कि ऐसा करने से लू नहीं लगती। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या जेब में प्याज रखने से सचमुच इस से बचा जा सकता है?

क्या कहता है वैज्ञानिक तथ्य ?

एक्सपर्ट की मानें तो लू से बचने के लिए प्याज एक सही तरीका हो सकता है, लेकिन इसे जेब में रखने से कोई फायदा नहीं मिलेगा। उनका कहना है कि बुजुर्ग लोग गर्मी में बाहर निकलने से पहले जेब में प्याज रखने की सलाह देते थे क्योंकि गर्मी में बाहर रहने पर हम प्याज को अपनी डाइट में शामिल कर बच सकें।

प्याज खाने से होगा फायदा

प्याज में सल्फर और दूसरे अल्कलॉयड्स होते हैं, जो लू में भी बॉडी की हीट को कम करने में मदद करते हैं। प्याज में पानी की मात्रा भी अधिक होती है जो बॉडी में नमी और टेम्परेचर का बैलेंस बनाए रखती है और लू से बचाव करती है। इसलिए इसे डाइट में शामिल करने की सलाह दी जाती है न के जेब में रखने की।

किस तरह करें लू से बचाव?

– लू से बचने का सबसे असरदार तरीका यह है कि आप खूब सारा पानी पिएं। 8–10 ग्लास पानी हर दिन पीने से डिहाइड्रेशन नहीं होगा।

– हीट वेव से बचना है तो घर से जितना हो सके उतना बाहर निकलने से बचें।

– ज्यादा वर्कआउट करने से भी बॉडी का टेंपरेचर बढ़ सकता है। जो हीट स्ट्रोक की वजह बन सकता है। ऐसे में आप गर्मी में ज्यादा वर्कआउट न ही करें तो बेहतर होगा।

– जब भी घर से बाहर जाएं तो खाली पेट बाहर न निकलें, कुछ खाने के बाद ही बाहर जाएं।

– मौसमी फल जैसे तरबूज और खरबूज खाएं। इसके साथ ही आप दही, छाछ और मौसमी फलों के फ्रेश जूस को खूब पघ्एं।

पोस्टल बैलेट से वोटिंग में कर्मचारियों की झलकी नाखुशी

एनडीए से ज्यादा इंडिया को मिले वोट

लखनऊ (यूएनएस)। लोकसभा चुनाव में पोस्टल–बैलेट से वोटिंग में भाजपा गठबंधन यानि एनडीए 47 सीटों पर पिछड़ गया। विपक्षी गठबंधन इंडिया आगे रहा। पोस्टल–बैलेट से अधिक मत पाने के बाद भी कई प्रत्याशी हार गए, लेकिन इससे कर्मचारी वर्ग के झुकाव का अंदाज हो गया। पोस्टल–बैलेट में एनडीए गठबंधन 33 सीटों पर ही आगे रहा। पोस्टल–बैलेट से 2,36,508 वोट पड़े। इसमें सर्विस वोटर के साथ दिव्यांग व 85 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्ग भी शामिल हैं।पोस्टल बैलेट से सर्वाधिक 7,135 वोट अकबरपुर लोकसभा क्षेत्र में पड़े। विजयी हुए भाजपा के देवेन्द्र प्रताप सिंह भोले को 3,167 और सपा के राजाराम पाल को इनसे अधिक 3,312 वोट मिले। बाकी अन्य दलों व निर्दलीय प्रत्याशियों को वोट मिले। देवेन्द्र प्रताप सिंह भोले चुनाव जीत गए, लेकिन कर्मचारियों को रिझाने में चूक गए। आजमगढ़ में इसके माध्यम से 5,572 वोट पड़े। विजेता रहे सपा के धर्मेन्द्र यादव को 3,402 और भाजपा के दिनेश लाल निरहुआ को 1,479 वोट मिले। बहराइच में सबसे कम 387 वोट ही पोस्टल बैलेट के माध्यम से पड़े। यहां विजेता भाजपा के आनंद कुमार को 227 व सपा के रमेश चंद्र को 121 वोट मिले। श्रावस्ती लोकसभा क्षेत्र में पोस्टल बैलेट से 526 वोट ही पड़े। यहां सपा के राम शिरोमणि वर्मा चुनाव जीते और पोस्टल बैलेट में भी सर्वाधिक 301 वोट पाए। पोस्टल बैलेट के 2,36,508 वोट में से 1,08252 इंडिया और 1,03730 एनडीए गठबंधन को मिले हैं। बाकी वोट अन्य पार्टियों व निर्दलीय प्रत्याशियों के खाते में गए हैं। विपक्षी इंडिया गठबंधन को 4,522 ज्यादा वोट मिले हैं। कर्मचारी, शिक्षकों के लिए सबसे बड़ा मुद्दा ओल्ड पेंशन बहाली है। हर ओर

से इसकी मांग उठ रही है। इंडिया गठबंधन कर्मचारियों के हित की बात करता रहा है। लेकिन सरकार ने सीरियसली लिया ही नहीं जिससे कर्मचारियों में नाखुशी है, जो मत दान के जरिये सामने आई है। बैलेट से वाराणसी में 3,062 वोट पड़े हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को 1,531 व कांग्रेस के अजय राय को 1,373 वोट मिले। रायबरेली में 2,575 वोट पड़े। कांग्रेस के राहुल गांधी को 1,605 व भाजपा के दिनेश प्रताप सिंह को 916 वोट मिले। कन्नौज में 3,548 वोट पड़े। इसमें सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को 2,085 और भाजपा के सुब्रत पाठक को 1,239 वोट मिले हैं। बस्ती में विपक्षी गठबंधन इंडिया को सबसे ज्यादा पोस्टल बैलेट वोट मिले हैं। यहां पोस्टल बैलेट से 5,448 वोट पड़े और उसमें सपा के राम प्रसाद चौधरी को 3,518 वोट और भाजपा के हरीश द्विवेदी को 1,407 वोट मिले। एनडीए गठबंधन के प्रत्याशी को बुलंदशहर में सर्वाधिक वोट मिले। पोस्टल–बैलेट से 5,074 वोट पड़े। भाजपा के भोला सिंह को 3,270 और कांग्रेस के शिवराम को 1,133 वोट मिले।

15 मंत्री अपने क्षेत्र में नही दिला सके एनडीए को वोट, राज्य मंत्रियों का प्रदर्शन ज्यादा खराब

लखनऊ (यूएनएस)। लोकसभा चुनाव में यूपी के 15 मंत्री अपने ही विधानसभा क्षेत्र में एनडीए प्रत्याशी को नहीं जिता सके। इन 15 मंत्रियों के गढ़ में विपक्ष ने सेंध लगा दी। 2022 के विधानसभा चुनाव में इन विधानसभाओं में भाजपा ने प्रचंड जीत हासिल की थी लेकिन लोकसभा चुनाव में सपा के 13 और कांग्रेस के 2 प्रत्याशियों ने जीत हासिल कर तीन साल बाद आगामी विधानसभा चुनाव के लिए खतरे की घंटी बजा दी।इनमें तीन कैबिनेट मंत्री, दो राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार और दस राज्यमंत्री हैं। प्रदेश सरकार में कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही देवरिया की पथरदेवा सीट से विधायक हैं। कांग्रेस के अखिलेश प्रताप सिंह ने उनकी विधानसभा जीत हासिल की। मैनपुरी सदर से विधायक जयवीर सिंह पर्यटन मंत्री हैं। मैनपुरी से सपा के टिकट पर डिंपल यादव संसद पहुंची हैं।

जयवीर सिंह ही लोकसभा प्रत्याशी थे लेकिन खुद तो हारे ही और अपनी विधानसभा में भी नहीं जीत सके। भोगनीपुर से विधायक और एमएसएमई मंत्री राकेश सचान के गढ़ में साइकिल जीत गई।खेल एवं युवा कल्याण मंत्री स्वतंत्र प्रभार गिरीश चंद्र यादव जौनपुर सदर से विधायक हैं। उनकी सीट से सपा के बाबू सिंह कुशवाहा ने विजय प्राप्त की है। कन्नौज से विधायक और समाज कल्याण मंत्री स्वतंत्र प्रभार असीम अरुण की विधानसभा की जनता ने अखिलेश यादव को ज्यादा वोट दिए। राज्य मंत्रियों का लोकसभा चुनाव में सबसे खराब प्रदर्शन राज्यमंत्रियों का रहा। दस राज्यमंत्री अपनी विधानसभा में विपक्ष से मात खा गए। अमेठी की तिलोई सीट से मयंकेश्वर शरण सिंह, सोनभद्र की ओबरा विधानसभा सेसंजीव कुमार गोंड, देवबंद सहारनपुर से जीतकर मंत्री बने बृजेश सिंह, हरगांव सीतापुर के सुरेश राही, मेरठ दक्षिण के विधायक सोमेन्द्र तोमर, खैर अलीगढ़ के अनूप प्रधान बाल्मीकि, अकबरपुर रनिया से प्रतिभा शुक्ला, सीतापुर सदर के राकेश राठौर गुरु, शाहाबाद हरदोई से चुनकर विधानसभा पहुंची रजनी तिवारी और दरियाबाद बाराबंकी के सतीश चंद्र शर्मा हैं।वही कई मंत्री अपना गढ़ बचाने में सफल रहे। इनमें कैबिनेट मंत्री लखनऊ कैंट से विधायक और डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, शाहजहांपुर से विधायक और वित्तमंत्री सुरेश कुमार खन्ना, औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, लक्ष्मी नारायण चौधरी, योगेन्द्र उपाध्याय, बेबी रानी मौर्य, धर्मपाल सिंह और अनिल राजभर हैं।स्वतंत्र प्रभार वाले राज्यमंत्रियों में स्टांप व रजिस्ट्री मंत्री रवीन्द्र जायसवाल, आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल, कपिल देव अग्रवाल, संदीप सिंह, दयाशंकर सिंह, अरुण कुमार सक्सेना, गुलाब देवी और नरेन्द्र कश्यप ने भी अपने क्षेत्र में पकड़ साबित कर दिखाई।राज्य मंत्रियों में बलदेव सिंह औलख, रामकेश निषाद, दिनेश खटीक, अजीत पाल, मनोहर लाल मन्नू कोरी, संजय सिंह गंगवार, विजय लक्ष्मी गौतम और के पी मलिक भी अपनी साख बचाने में कामयाब रहे।

योगी की उम्मीदों पर खरे उतरे 10 जिले, शत प्रतिशत पूरा हुआ खतौनी का कार्य

लखनऊ (यूएनएस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर आम जनमानस की सुविधा के लिए भूमि अभिलेखों को डिजिटल रूप से सुलभ कराने के लिए राजस्व विभाग तेज गति से कार्य कर रहा है। इन प्रयासों के चलते प्रदेश के 10 जनपद ऐसे हैं, जहां रियल टाइम खतौनी का कार्य लगभग शत प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है। इन टॉप 10 जनपदों में से 4 ने 100 प्रतिशत रियल टाइम खतौनी पूर्ण कर ली हैं तो बाकी 6 जनपदों में भी 99 प्रतिशत से ज्यादा कार्य हो चुका है। रियल टाइम खतौनी का कार्य समग्र रूप से 95.7 प्रतिशत पूरा हो चुका है और सबसे खराब प्रदर्शन वाले जनपदों में भी 72 प्रतिशत से ज्यादा कार्य पूरा हो चुका है। उम्मीद है कि राजस्व विभाग दिसंबर 2024 तक सभी जनपदों में शत प्रतिशत खतौनी को डिजिटली सुलभ कराने में

सक्षम होगा। जिन जनपदों ने शत प्रतिशत रियल टाइम खतौनी का कार्य पूर्ण कर लिया है उनमें शामली, फर्रुखाबाद, अमेठी और कुशीनगर जैसे जनपद शामिल है। वहीं सुल्तानपुर में 99.94 प्रतिशत, अमरोहा में 99.91 प्रतिशत, मुरादाबाद में 99.91 प्रतिशत, कासगंज में 99.86 प्रतिशत, सिद्धार्थनगर में 99.84 प्रतिशत और अंबेडकरनगर में 99.83 प्रतिशत कार्य पूरा कर लिया गया है। वहीं सबसे कम कार्य जिन जनपदों में हुआ है, उनमें कानपुर नगर (72.24 प्रतिशत), प्रयागराज (72.50 प्रतिशत), वाराणसी (73.30 प्रतिशत), चित्रकूट (82.24 प्रतिशत), बलरामपुर (84.32 प्रतिशत), मेरठ (87.43 प्रतिशत), कौशांबी (87.43 प्रतिशत), बागपत (87.46 प्रतिशत), जौनपुर (88.68 प्रतिशत) और बहराइच (91.13 प्रतिशत) में भी काफी हद तक कार्य पूर्ण हो चुका है और इन सभी जनपदों को दिसंबर तक कार्य पूरे करने के निर्देश दे दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त करीब 13 जनपद ऐसे हैं, जहां 100 या इससे अधिक ग्राम परिवर्तन के लिए अवशेष हैं। इनमें प्रयागराज में सर्वाधिक 854, जौनपुर में 391, वाराणसी में 377, कानपुर नगर में 302, सीतापुर में 169, बलरामपुर में 159, गोरखपुर में 156, खीरी में 129, फतेहपुर में 125, बहराइच में 120, नोएडा में 109, कौशांबी में 107 और चित्रकूट में 100 गांव शामिल हैं। इन जनपदों को भी दिसंबर तक कार्य पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं।

आप सांसद संजय सिंह बोले, बिजली काटकर भाजपा ने यूपी की 3 सीटें जीती

लखनऊ (यूएनएस)। आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह शनिवार को लखनऊ

पहुंचे। यहां उन्होंने कहा कि भाजपा ने वोट की गिनती में धांधली की है। लाइट काटकर 3 सीटों पर जीत हासिल की गई है। जनता ने भाजपा को सबक सिखाया है। जो लोग 400 पार बोलते थे, उन्हें जनता ने नकार दिया है। संजय सिंह ने कहा, यह देश अहंकार से नहीं चलेगा। हम पाकिस्तानी और अफगानिस्तानी नहीं हैं। प्रधानमंत्री ने 10 साल में सिर्फ नफरत घोला है। धर्म और जाति को आपस में लड़ाया है। भाजपा किसी की सगी नहीं है। काउंटिंग का जिक्र करते हुए संजय सिंह ने कहा कि फर्रुखाबाद, बांसगांव और फूलपुर में लाइट काटकर काउंटिंग में गड़बड़ी करके खेल किया गया है। सरकार बनी है, इसका भविष्य क्या है? 6 महीने या 13 महीने यह सरकार चलेगी। अटल जी की सरकार भी 13 महीने चली थी। 13 महीने से कम समय में इनकी विदाई हो सकती है। उन्होंने कहा, भाजपाई अयोध्यावासियों को कुछ भी बोल रहे हैं। लोकतंत्र में आप इन्हें वोट नहीं देंगे तो गलत बयानबाजी कर रहे हैं। प्रधानमंत्री से कहना चाहता हूं। अहंकार की भाषा छोड़ दीजिए वरना 240 से 2 सीट पर पहुंच जाएंगे। इंडिया गठबंधन में सर्वसम्मति से तय हुआ है कि हम देश की राजनीतिक गतिविधियों पर ध्यान रखेंगे। सही समय पर सही फैसला लेंगे। स्पीकर का पद महत्वपूर्ण है। स्पीकर के चुनाव में एनडीए के गठबंधन का पहला टेस्ट होगा। टीडीपी भी स्पीकर का पद चाहती है।

प्राइमरी स्कूलों के बच्चे पढ़ेंगे पर्यावरण का पाठ

लखनऊ (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश के प्राथमिक विद्यालयों में 18 से 25 जून तक अंतिम घंटे में बच्चों को पर्यावरण का पाठ पढ़ाया जाएगा। इसमें बच्चों को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया जाएगा। डीजी स्कूल शिक्षा ने इस संबंध में सभी बेसिक शिक्षा अधिकारियों और डायट प्राचार्यों को पत्र भेजा है।पत्र के साथ पर्यावरण संबंधी गतिविधियों के बारे में सुझाव भी भेजे हैं।

पंचायतों में 4821 पदों पर होगी भर्ती

पंचायत सहायक के पदों के लिए कल जारी होगा विज्ञापन

लखनऊ (यूएनएस)। रिक्त पदों को जल्द भरे जाने के मुख्यमंत्री के निर्देश के अगले ही दिन नई भर्तियों के लिए कवायद शुरू हो गई। उत्तर प्रदेश की ग्राम पंचायतों में पंचायत सहायक अकाउंटेंट–कम–डाटा एंट्री ऑपरेटर के 4 821 रिक्त पदों पर जल्द भर्ती होगी। निदेशक पंचायती राज अटल कुमार राय ने 10 जून तक रिक्त पदों पर चयन के लिए विज्ञापन प्रकाशित करने की कार्यवाही करने का निर्देश दिया है। पंचायतों में कई कारणों से पंचायत सहायक अकाउंटेंट–कम– डाटा एंट्री ऑपरेटर के पद रिक्त हो गए हैं। लोकसभा चुनाव के नतीजो के फीडबैक के आधार पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को रिक्त पदों पर भर्ती जल्द शुरू करने के आदेश दिए थे। इसके बाद पंचायती राज विभाग ने भर्ती की प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी कर ली है। 12 जून से ग्राम पंचायत के सूचना पट पर आवेदन पत्र आमंत्रित करने की सूचना दी जाएगी। जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यलय, विकास खंड कार्यालय और ग्राम पंचायत कार्यालय में 15 जून से 30 जून तक आवेदन जमा होंगे।

योगी के आदेश से बेरोजगारों में जगी उम्मीद

पांच साल से खाली हैं डीएलएड प्रशिक्षु

लखनऊ (यूएनएस)। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के भर्तियां शुरू करने के फरमान ने बेरोजगारों की आंखों में फिर से चमक पैदा की है। लाखों बेरोजगार खासतौर से परिषदीय प्राथमिक स्कूलों में सहायक अध्यापक के पद पर नियुक्ति को लेकर आशान्वित हैं।मुख्यमंत्री के फरमान पर कार्रवाई शुरू होती है तो सबसे पहले नवगठित उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग को सक्रिय करना होगा। इसी आयोग से परिषदीय स्कूलों में शिक्षकों की नियुक्ति होनी है लेकिन अब तक यह आयोग पूरी तरह से सक्रिय नहीं हो सका है। शिक्षक भर्ती के इंतजार में बेरोजगार सालों से दर–दर की ठोकर खा रहे हैं। डीएलएड 2017 बैच के 135182 बेरोजगार पांच साल से खाली हैं। 2017 सत्र के बाद से प्रशिक्षण लेने वाले लाखों बेरोजगारों की नौकरी का इंतजार खत्म नहीं हो सका है।

सपा लीडर डीपी यादव ने किया सुसाइड

लखनऊ (यूएनएस)। समाजवादी पार्टी के निर्वातमान जिलाध्यक्ष ने शनिवार सुबह गोली मारकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर उनके रिश्तेदार और कार्यकर्ता उनके बुद्धिविहार में आवास पर पहुंच गए।पूर्व राज्यसभा सांसद वीर सिंह ने पुलिस को घटना की सूचना दी। अभी आत्महत्या करने करना का पता नहीं लगा।डीपी यादव समाजवादी पार्टी के संस्थापक सदस्यों में थे। समाजवादी पार्टी में महत्वपूर्ण पद नहीं मिलने के बावजूद वे पार्टी की मजबूती के लिए कार्य करते रहे। पंचायत चुनाव में पार्टी में गुटबाजी के चलते उनके साले और सपा जिलाध्यक्ष जयवीर सिंह को हटाकर उन्हें जिलाध्यक्ष बनाया गया था। इसके बाद लोकसभा चुनाव के दौरान डा. एसटी हसन के बजाय रुचि वीरा को प्रत्याशी बनाए जाने का उन्होंने विरोध किया था और चुनाव प्रचार में शामिल नहीं हुए थे। इसकी शिकायत सपा प्रमुख अखिलेश यादव से की गई तो उन्होंने डीपी यादव को जिलाध्यक्ष पद से हटाकर फिर से जयवीर सिंह को जिलाध्यक्ष बना दिया। तभी से राजनीतिक गतिविधियों से दूर चल रहे थे।चुनाव के दौरान भी उन्हें कोई जिम्मेदारी नहीं दी गई और वे स्वयं भी प्रचार में भी दिखाई नहीं दिए। परिवार में पत्नी, बेटी और बेटा है। बेटी अंजलि सुप्रीम कोर्ट में वकालत करने के साथ ही अपनी संस्था चलाती हैं, जो पीड़ित लड़कियों को न्यायिक मदद दिलाने का कार्य करती है। डीपी यादव का बेटा भी अधिवक्ता है।

दुबग्गा में विशाल भंडारे का आयोजन

लखनऊ (यूएनएस)। ज्येष्ठ माह मे बड़ा मंगल हो या शनिवार हो, सूरज निकलने से पहले ही शहर के लोग जाग जाते हैं। दिन चढ़ने के साथ ही उत्साह बढ़ जाता है। जेठ की आग बरसती दोपहरी में भंडारों की तैयारी होती है। शहर में कैसा भी रास्ता हो, संकरा या चौड़ा हर चार कदम पर भंडारा मिल जाता है। लखनऊ में जेठ के सभी मंगलवार और शानिवार को कोई भूखा–प्यासा नहीं रहता। शनिवार के दिन भी जगह–जगह विशाल भंडारों का आयोजन किया गया। दुबग्गा क्षेत्र मे रहने वाले सिंह परिवार द्वारा अपने आवास पर भंडारे का आयोजन हुआ।

संक्षिप्त

सीएम की खास बैठक में दोनों डिप्टी सीएम नदारद

लखनऊ (यूएनएस)। लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई थी, लेकिन बैठक में दोनों उपमुख्यमंत्री, केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक गैरहाजिर रहे। अनुपस्थिति ने राजनीतिक हलकों में चर्चा का मौका दे दिया। भले ही इतेफाक हो लेकिन बात उठती है।योगी आदित्यनाथ ने बैठक प्रदेश में भाजपा की हार की समीक्षा और आगामी योजनाओं पर चर्चा के लिए बुलाई थी। इसमें विभिन्न विभागों के मंत्रियों और अधिकारियों को शामिल होना था।दोनों डिप्टी सीएम की अनुपस्थिति के कारण स्पष्ट नहीं हैं। केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक की बैठक से गैरमौजूदगी पर राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि यह प्रदेश सरकार के अंदरूनी मामलों और संभावित आंतरिक खींचतान का संकेत हो सकता है। दोनों डिप्टी सीएम के ऑफिस से कोई आधिकारिक बयान नहीं है। डिप्टी सीएम की अनुपस्थिति ने राजनीतिक गलियारों हलचल मचा दी है। सूत्रों की माने तो यह किसी राजनीतिक असंतोष का परिणाम हो सकता है, जबकि अन्य का मानना है कि यह एक संयोग मात्र हो सकता है।इसपर प्रतिक्रिया देते हुए विपक्षी दलों ने भाजपा पर निशाना साधा है। समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव ने कहा, यह घटना सरकार की आंतरिक कलह और कमजोरियों को उजागर करती है। कांग्रेस के प्रवक्ता ने भी इस पर टिप्पणी करते हुए कहा कि यह राज्य के प्रशासन में हो रही खामियों का प्रतीक है। सबकी नजरें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भाजपा के शीर्ष नेतृत्व पर हैं कि वे क्या रुख अपनाते हैं। क्या केवल एक संयोग था या कोई राजनीतिक रणनीति है, यह आने वाले दिनों में स्पष्ट हो सकेगा। उत्तर प्रदेश की राजनीति में यह घटना एक नया मोड़ ला सकती है और इसके परिणामस्वरूप आने वाले समय में कई महत्वपूर्ण परिवर्तन देखने को मिल सकते हैं।

सपा संसदीय दल के नेता बने अखिलेश, मैनपुरी की करहल विधानसभा सीट से देंगे इस्तीफा

लखनऊ (यूएनएस)। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव लोकसभा चुनाव में विजयी हुए पार्टी सांसदों के साथ बैठक की। इस दौरान पार्टी ने अखिलेश यादव को संसदीय दल के नेता के रूप में चुना है। अब अखिलेश यादव मैनपुरी की करहल विधानसभा सीट इस्तीफा देंगे। वहीं पार्टी मुख्यालय पार्टी सांसदों और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव के बाद पार्टी के बढ़ते कद और जिम्मेदारियों को ईमानदारी के साथ निभाना है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने तपती दोपहर में मेहनत की है। जनता के मुद्दे जनता के बीच में रखे उसका नतीजा है सपा और इंडिया एलायंस जीतकर आया है। सपा तीसरे नंबर की पार्टी बन गई हैं। सपा की जिम्मेदारी बढ़ गई हैं। जनता की बात लोकसभा में रखना हमारी कोशिश रहेंगी। हमारे साथ सर्टिफिकेट वाले सांसद है बीजेपी के साथ ऐसे साथी है जिन्हे सर्टिफिकेट नहीं मिल पाया है दोनो को बधाई।

सड़क किनारे महिला की मौत,एक्सीडेंट से मौत की आशंका

लखनऊ (यूएनएस)। लखनऊ में सड़क किनारे महिला की मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि एक्सीडेंट की वजह से महिला की मौत हुई है। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है। महिला की पहचान करके परिजनों को जानकारी दी गई है। घटना लखनऊ के चिनहट थाना क्षेत्र की है। इंस्पेक्टर चिनहट अश्वनी कुमार चतुर्वेदी ने बताया कि महिला की मौत एक एक्सीडेंट में हुई है। प्रारंभिक जांच के बाद पुलिस ने किसी प्रकार की लूट की घटना से इनकार किया है। लेकिन मामले की जांच की जा रही है। इंस्पेक्टर चतुर्वेदी ने कहा कि अभी तक मृतका के परिजनों को जानकारी दी गई है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले हैं और जांच की जा रही है। उम्मीद की जा रही है कि महिला की मौत के पीछे के तथ्य जल्द ही सामने आएंगे।

बाउंड्री बनवाने को लेकर बवाल,किसानों ने समाधान दिवस पर किया हंगामा

लखनऊ (यूएनएस)। लखनऊ के मोहनलालगंज थाना क्षेत्र में जमीन की बाउंड्री बनवाने को लेकर बवाल हो गया। बाउंड्री बनवा रहे किसान नेता पर एक युवक और उसके साथियों ने हमला कर दिया। जातिसूचक अपशब्द कहे और काम रोक दिया। आरोप है कि युवकों ने असलहा दिखाया और किसान नेता को जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित ने बताया कि काम रुकवाने के बाद वे फरार हो गए। पुलिस को सूचना दी गई और मौके पर पहुंची टीम ने जांच–पड़ताल की है। इसी बात को लेकर शनिवार को कई किसान थाने पहुंचे गए, जहां समाधान दिवस चल रहा था। किसानों ने मुकदमा दर्ज करने की मांग पर हंगामा भी किया। मोहनलालगंज के इंस्पेक्टर और नायब तहसीलदार ने किसानों को समझाने का प्रयास किया। हालांकि काफी देर बाद किसानों ने हंगामा बंद किया। पुलिस ने भी मामले की जांच के लिए आश्वासन दिया है। जानकारी के अनुसार पीजीआई थाना क्षेत्र के बाबू खेड़ा में रहने वाले सर्वेश कुमार ने पुलिस को दी तहरीर है। जिसमें बताया कि मोहनलालगंज के मऊ निवासी नवनीत कुमार से पुरसैनी गांव में स्थित भूमि खसरा संख्या 103 घ लिया है। इस पर सर्वेश बाउंड्री करवा रहा था। दोपहर करीब 3 बजे गांव में ही प्लाटिंग करने वाला युवक धीरज सिंह अपने कई साथियों के साथ पहुंचा। पीड़ित सर्वेश का आरोप है कि बिना किसी बात के वे हमें गालियां देने लगे। जमीन की बाउंड्री करवाने पर जान से मारने की धमकी दी और भाग गए। फिलहाल किसान उन आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग पर अड़े हैं।

धर्मी लोगों के लिए इस समय की चिंता

लखनऊ (यूएनएस)। राष्ट्रीय सामाजिक संगठन के संयोजक मोहम्मद आफाक ने एक बयान में कहा है कि 2024 का चुनाव संपन्न हो चुका है और नतीजे सबके सामने आ चुके हैं. देश की शांतिप्रिय जनता ने साम्प्रदायिक राजनीतिक दलों और इन समलैंगिकता विरोधी और धार्मिक व्यापारिक पार्टियों को बाहर का रास्ता दिखाने की पूरी कोशिश की, लेकिन जहां भी ये साम्प्रदायिक लोग जीते, वहां व्यवस्था में वही घृणित लोग मौजूद रहे जिन्हें मनमाने ढंग से जिताया गया। अंत में मोहम्मद अफाक ने कहा कि बहुत ही व्यवस्थित तरीके से जहां भी वह अपने कार्यकर्ताओं को तैनात कर सकते थे, उन्होंने ऐसा किया और उन्हें इसका फायदा भी मिला।

चीन के राष्ट्रपति और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने सामरिक सहयोग को प्रगाढ़ बनाने पर चर्चा की

बीजिंग। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने शुक्रवार को दोनों देशों के बीच सामरिक सहयोग को प्रगाढ़ बनाने पर चर्चा की। दोनों देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रिकॉर्ड तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने पर नजर बनाए हुए हैं जिनके शपथ ग्रहण समारोह में दक्षिण एशिया के पड़ोसी देशों के शीर्ष नेताओं के शामिल होने की संभावना है। पाकिस्तान एकमात्र ऐसा देश होगा, जिसका नेता शपथ ग्रहण समारोह में शामिल नहीं होगा। समारोह में सार्क (दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन) देशों के अन्य सभी नेता शामिल होंगे। समारोह में नेपाल, बांग्लादेश, श्रीलंका, मालदीव, भूटान, सेशेल्स और मॉरीशस के शीर्ष नेताओं के शामिल होने की संभावना है। संयोग से, भारत–पाकिस्तान संबंधों में सुधार के समर्थक माने जाने वाले शहबाज शरीफ के बड़े भाई और पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ 2014 में मोदी के पहली बार प्रधानमंत्री बनने पर हुए शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए थे। शी ने शरीफ के साथ अपनी बैठक के दौरान मजबूत चीन–पाकिस्तान के बीच मजबूत संबंधों और दोनों देशों के बीच सदाबहार सामरिक साझेदारी के विकास की व्यापक संभावनाओं पर चर्चा की। दूसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद यह शरीफ की पहली चीन यात्रा है। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बताया, "चीन एक–दूसरे का दृढ़ता से समर्थन करने, सहयोग को मजबूत करने, रणनीतिक समन्वय को प्रगाढ़ बनाने, क्षेत्रीय शांति, स्थिरता में अधिक योगदान देने के लिए पाकिस्तान के साथ काम करने के लिए तैयार है।" सरकारी समाचार एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस ऑफ पाकिस्तान (एपीपी) के अनुसार इससे पहले, शरीफ ने चीनी प्रधानमंत्री ली कियांग से मुलाकात की, जिसके बाददोनों देशों ने 23 समझौतों पर हस्ताक्षर किए। हालांकि, समझौतों में सीपीईसी के दूसरे चरण और

कराची को पेशावर से जोड़ने वाली आठ अरब अमेरिकी डॉलर की हाई–स्पीड रेलवे परियोजना नहीं थी। शरीफ ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, हमने बहुआयामी पाकिस्तान–चीन संबंधों के विभिन्न आयामों पर बातचीत की और अपनी दीर्घकालिक व दृढ़ मित्रता, सदाबहार रणनीतिक सहयोग, आर्थिक व व्यापार संबंधों और सीपीईसी को लेकर चर्चा हुई।

यमन के हूती विद्रोहियों ने अचानक हमला कर यूएन के नौ कर्मचारियों व अन्य को बंधक बनाया

दुबई। बढ़ते वित्तीय दबाव और अमेरिका के नेतृत्व वाले गठबंधन से हवाई हमलों का सामना कर रहे हूती विद्रोहियों ने संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों के कम से कम नौ यमनी कर्मचारियों को बंधक बना लिया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सहायता समूहों के लिए काम करने वाले अन्य लोगों को भी बंधक बनाए जाने की आशंका है। ये घटना ऐसे समय हुई है जब हूती विद्रोहियों ने लगभग एक

दशक पहले यमन की राजधानी पर कब्जा कर लिया था और उसके बाद से ही सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन के साथ लड़ रहे हैं। हूती विद्रोहियों ने गाजा पट्टी में इजराइल–हमास युद्ध को लेकर लाल सागर गलियारे में जहाजों को निशाना बनाया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हालांकि अधिक ध्यान आकर्षित करने के साथ–साथ इस गुप्त समूह ने घरेलू स्तर पर असहमति के खिलाफ भी कार्रवाई की है, जिसमें हाल ही में 44 लोगों को मौत की सजा सुनाना भी शामिल है। क्षेत्रीय अधिकारियों ने नाम गुप्त रखने की शर्त पर एसोसिएटेड प्रेस से कहा कि संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियों में काम करने वाले कर्मचारियों को बंधक बनाया गया है। अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार लोगों में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार एजेंसी, इसके विकास कार्यक्रम, विश्व खाद्य कार्यक्रम के कर्मचारी तथा इसके विशेष दूत के कार्यालय में काम करने वाला एक व्यक्ति शामिल है। बंधक बनाए एक कर्मचारी की पत्नी को भी विद्रोहियों ने पकड़ रखा है। संयुक्त राष्ट्र ने इस पर तत्काल टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। माय्यून ऑर्गनाइजेशन फॉर ह्यूमन राइट्स ने बंधक बनाए गए संयुक्त राष्ट्र कर्मचारियों की पहचान की है, अन्य सहायता समूहों के नाम भी बताए हैं जिनके कर्मचारियों को हूतियों द्वारा उनके नियंत्रण वाले चार प्रांतों – अमरान, होदेदा, सादा और साना में बंधक बनाया गया है। उन समूहों ने अपने कर्मचारियों को बंधक बनाए जाने पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की है। यमन के हूती विद्रोहियों और उनके संबद्ध मीडिया संगठनों ने संरा कर्मचारियों को बंधक बनाने को तत्काल स्वीकार नहीं किया है। ईरान समर्थित विद्रोहियों ने हालांकि शुक्रवार को दोपहर की नमाज के बाद साप्ताहिक सामूहिक प्रदर्शन की योजना बनाई है, यह मौका होता है जब हूती नेता आमतौर पर अपने कार्यों की जानकारी देते हैं। यह फिलहाल स्पष्ट नहीं है कि विद्रोहियों ने किस वजह से कर्मचारियों को बंधक बनाया।

अमेरिका के 22 शहरों में नरेन्द्र मोदी की जीत का जश्न मनाएगा ओएफबीजेपी–यूएसए

वाशिंगटन। अमेरिका में 'ओवरसीज फ्रेंड्स ऑफ बीजेपी' (ओएफबीजेपी–यूएसए) के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि नरेन्द्र मोदी के समर्थक उनके तीसरे शपथ ग्रहण समारोह का जश्न मनाएंगे। उन्होंने बताया कि न्यूयॉर्क, जर्सी सिटी, वाशिंगटन, बोस्टन, टाम्पा, अटलांटा, ह्यूस्टन, डलास, शिकागो, लॉस एंजिल्स और सैन फ्रांसिस्को जैसे शहरों में मोदी के तीसरे शपथ ग्रहण समारोह का जश्न

मनाया जाएगा। ओएफबीजेपी–यूएसए के अध्यक्ष अदापा प्रसाद ने कहा, इस शुक्रवार से अगले रविवार तक अमेरिका के 22 शहरों में उनकी जीत का जश्न मनाया जाएगा। ओएफबीजेपी–यूएसए के सदस्यों ने चुनाव–अभियान के दौरान लोगों को जागरूक करने के लिए अमेरिका के कई शहरों में कार रैलियां निकालीं। लोकसभा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सबसे बड़ी पार्टी है और 1962 के बाद यह पहली बार है कि कोई प्रधानमंत्री लगातार तीसरी बार सत्ता में आए हैं। मोदी लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे, जो 60 साल में पहली बार होगा। प्रसाद ने कहा कि भारत में नयी सरकार के गठन के बाद ओएफबीजेपी–यूएसए भारत–अमेरिका संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में काम करेगा। उन्होंने कहा, हम भारत–अमेरिका संबंधों को मजबूत करने के लिए प्रवासी भारतीयों को एकजुट करेंगे।

भारी–भरकम अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों के बावजूद रूस की अर्थव्यवस्था आगे बढ़ रही : पुतिन

राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शुक्रवार को कहा कि भारी–भरकम अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों के बावजूद रूसी अर्थव्यवस्था बहुत तेजी से बढ़ रही है। पुतिन ने कहा कि रूस ने अफ्रीका, पश्चिमी एशिया और एशिया में कई देशों के साथ आर्थिक संबंधों में विस्तार किया है। पुतिन ने सेंट पीटर्सबर्ग इंटरनेशनल इकोनॉमिक फोरम में बोलिविया व जिम्बाब्वे के नेताओं और व्यापार जगत के दिग्गजों को संबोधित करते हुए कहा कि रूस वैश्विक व्यापार में एक मुख्य साझेदार बना हुआ है, बावजूद इसके कि यूक्रेन में सैनिकों को भेजने के लिए देश कई प्रतिबंधों की मार झेल रहा है। रूस दशकों से इस फोरम का इस्तेमाल देश के विकास का बखान करने के लिए करता आ रहा है, हालांकि पश्चिमी देशों के अधिकारियों और निवेशकों ने इस सत्र से दूरी बनाए रखी क्योंकि प्रतिबंधों की वजह से रूस का पश्चिमी यूरोप, अमेरिका और उसके सहयोगियों के साथ व्यापार काफी हद तक बंद हो चुका है। रूस की आर्थिक वृद्धि का मुख्य कारण यूक्रेन में जारी युद्ध है, जो क्रेमलिन के लिए अब आर्थिक रूप से उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि राजनीतिक रूप से।

रूस पर आयात को लेकर भारी प्रतिबंध लगे हुए हैं, जिसकी वजह से अधिकतर वैश्विक ब्रांड देश के बाजारों से गायब हैं या फिर उनकी जगह रूसी ब्रांड ले चुके हैं। हालांकि रूसियों के लिए आर्थिक रूप से बहुत कुछ नहीं बदला है क्योंकि सैन्य उपकरणों के लिए बड़े पैमाने पर खर्च और स्वयंसेवक सैनिकों को भारी भुगतान से अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है।

रूस पश्चिमी देशों के विरोधियों को हथियार भेजने पर विचार करेगा

राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शुक्रवार को कहा कि रूस पश्चिमी देशों के विरोधियों को हथियार भेजने पर विचार करेगा। उन्होंने यह नहीं बताया कि वे किन देशों या संस्थाओं की बात कर रहे हैं तथा उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि रूस फिलहाल ऐसा नहीं कर रहा है। पुतिन ने सेंट पीटर्सबर्ग अंतरराष्ट्रीय आर्थिक मंच में कहा, "यदि वे युद्ध क्षेत्र में हथियार उपलब्ध कराते हैं और हमारे क्षेत्र के खिलाफ इन हथियारों का इस्तेमाल करने का आह्वान करते हैं तो हमें ऐसा करने का अधिकार क्यों नहीं है?" पुतिन ने बुधवार को चेतावनी दी थी कि रूस पश्चिमी देशों में लक्ष्यों पर हमला करने के लिए अन्य को लंबी दूरी के हथियार मुहैया करा सकता है।

एस.लाल एण्ड सन्स मेडिकल्स
OPD
नेत्र रोग विशेषज्ञ
डा. आर.के. श्रीवास्तव
समय - 10 बजे से 1 बजे तक,
दिन - सोमवार, मंगलवार, शुक्रवार, (नि:शुल्क परामर्श - शनिवार, रविवार)
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
डा. शिखा माथुर
प्रतिदिन - दोपहर 1 से 3 बजे तक
जनरल फिजिशियन
डा. कार्तिकेय
समय - शाम 4 बजे से 8 बजे तक । दिन - प्रतिदिन
पता - 18B, म्योर रोड, जहाज चौराहा, प्रयागराज
Mob.: 9151121918, 9140445768

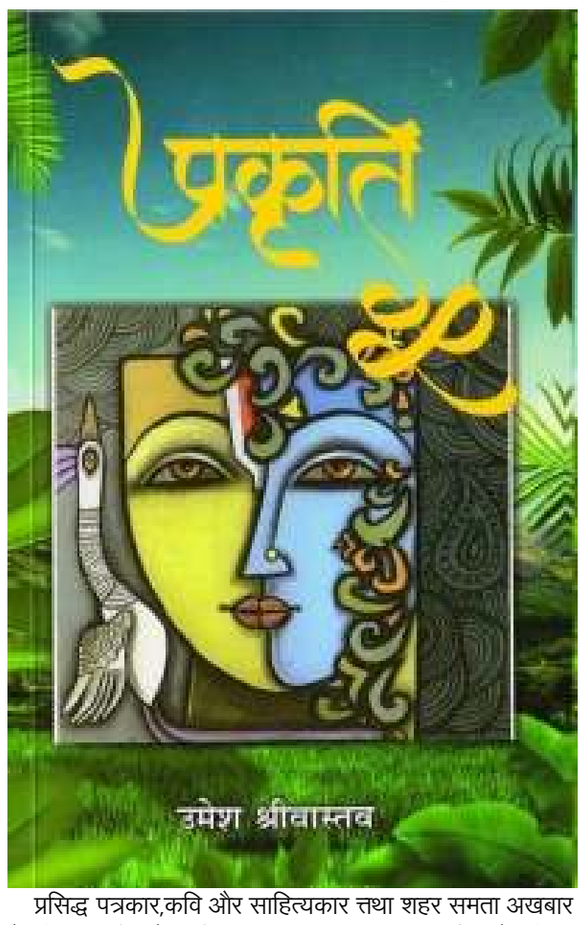

प्रसिद्ध पत्रकार,कवि और साहित्यकार त्तथा शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव का काव्य संग्रह ष्प्रकृतिष् लोकरंजन प्रकाशन द्वारा प्रकाशित किया गया है और अमेजन पर उपलब्ध है।

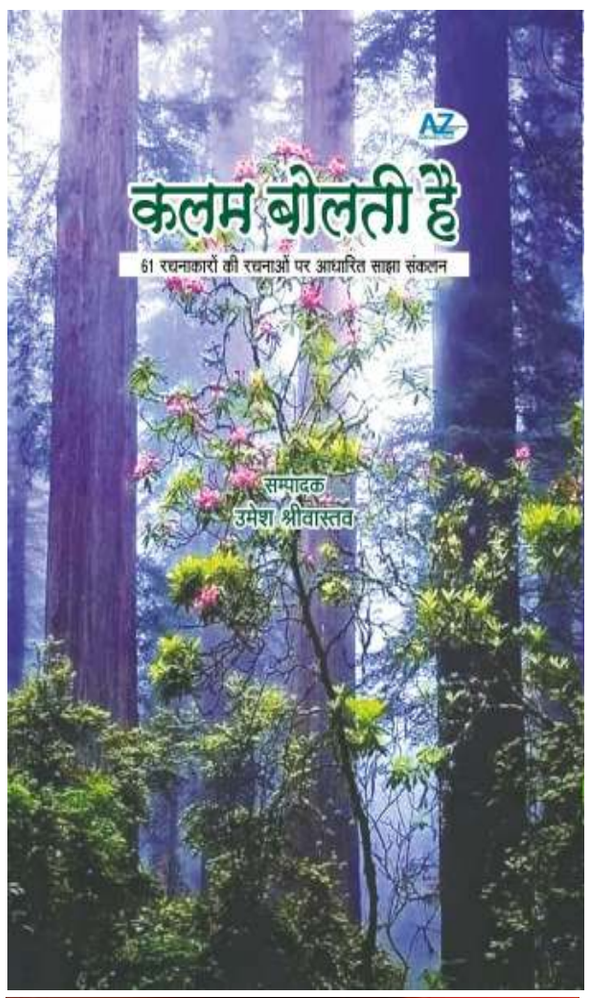

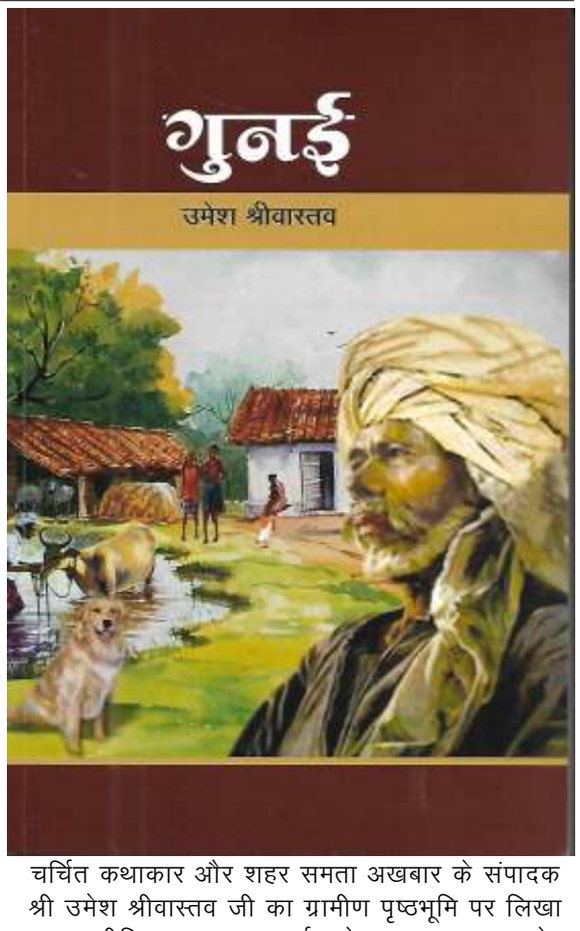

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

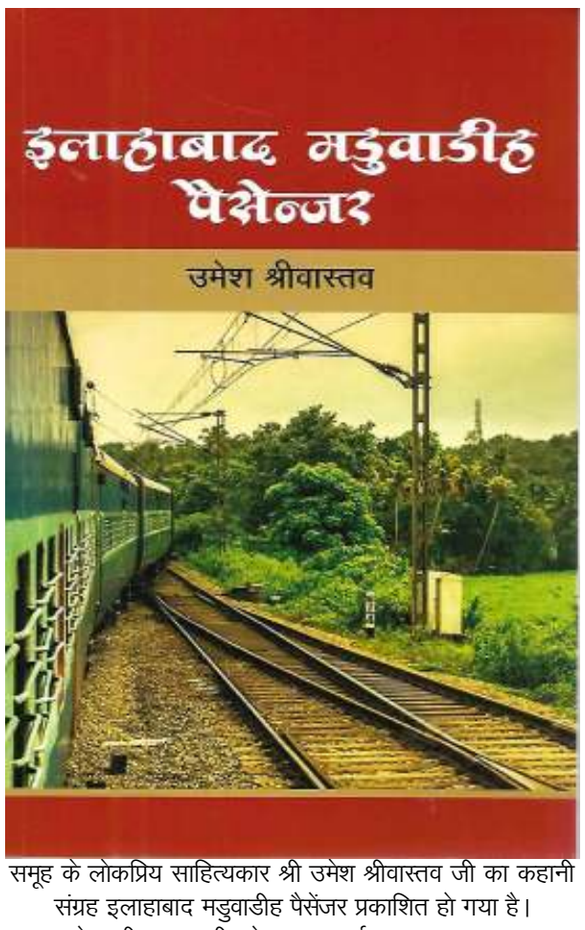

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

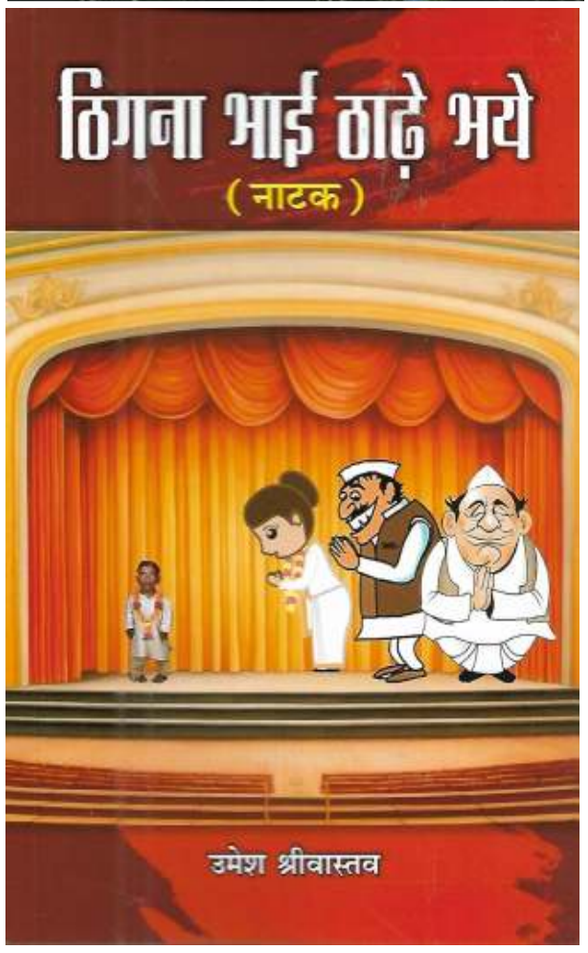

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।